आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 183 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, व भोपाल, रायपुर व बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, सोमवार, 07 जुलाई, 2025

पंडरिया में उप तहसील, महाविद्यालय, नालंदा परिसर और नि :शुल्क बस सेवाओं की घोषणा

समावेशी विकास और सुशासन से बनेगा सशक्त छत्तीसगढ़रू पंडरिया के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ

सुशासन और विकास की राह पर छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के हर कोने को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और संकल्पों को जमीन पर उतारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। भ्रष्टाचार के सभी रास्ते बंद कर सुशासन की स्थापना की दिशा में निरंतर प्रयास हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत आधारभूत ढाँचे और बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने के लिए अनेक योजनाओं को तेज़ी से क्रियान्वित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय आज पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के महतारी अलंकरण सम्मान समारोह में वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंडरिया क्षेत्र को समृद्ध, सशक्त और विकसित बनाने की पहल प्रारंभ हो चुकी है। इस दिशा में अनेक योजनाओं और विकास कार्यों की स्वीकृति एवं क्रियान्वयन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। उन्होंने रणवीरपुर में नवीन उप

तहसील की स्थापना, आगामी शिक्षा सत्र से बिरेंद्र नगर में महाविद्यालय प्रारंभ करने, पंडरिया में 250 सीटर नवीन नालंदा परिसर, कुण्डा में महाविद्यालय के लिए नवीन भवन और पंडरिया में नवीन नगर पालिका भवन के निर्माण की घोषणा की। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग-130 ए के 2.1 किलोमीटर मार्ग का चौड़ीकरण कर इसे 4 लेन में उन्नत किया जाएगा।

कार्यक्रम में 72 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अधोसंरचना विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी मुख्यमंत्री के करकमलों से सम्पन्न हुआ। उन्होंने बताया कि ग्रामीण अंचलों में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार के लिए अटल डिजिटल सुविधा केंद्र अब तक 1,460 ग्राम पंचायतों में स्थापित किए जा चुके हैं और आगामी एक वर्ष में यह सुविधा सभी पंचायतों तक पहुँचाई जाएगी। रजिस्ट्री प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और कम खर्चीला बनाया गया है ताकि आम नागरिकों को किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री साय ने क्षेत्रीय विधायक श्रीमती भावना बोहरा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि छात्राओं के लिए 5 नि:शुल्क बस सेवाओं की शुरुआत केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि बेटियों के आत्मविश्वास और सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे अब छात्राओं को महाविद्यालय आने-जाने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि पंडरिया के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है, जब 72 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण तथा बेटियों के लिए 5 नि:शुल्क बसों की शुरुआत हो रही है। यह छत्तीसगढ़ में अपनी तरह की अनूठी पहल है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश में विकास अब केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि हर गाँव और क्षेत्र में समान रूप से पहुँच रहा है। आने वाला समय छत्तीसगढ़ की प्रगति का नया अध्याय होगा।

लोकसभा सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि यह पहल बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए महत्त्वपूर्ण साबित होगी। नि:शुल्क बस सुविधा से छात्राओं को अपने सपनों को साकार करने में और अधिक संबल मिलेगा।

क्षेत्रीय विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने बताया कि पहले 3 नि:शुल्क बसों का संचालन किया जा रहा था, जिन्हें अब बढ़ाकर 8 कर दिया गया है। यह सेवा पंडरिया, पांडातराई, पिपरिया, सहसपुर लोहारा एवं कवर्धा के महाविद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए संबल बनेगी।

उन्होंने कहा कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में पिछले डेढ़ वर्षों में लगभग 600 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त हुई है। हरिनाला पुल, बाईपास और अनेक बहुप्रतीक्षित कार्य अब गति पकड़ चुके हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और गृह मंत्री विजय शर्मा वर्चुअल रूप से जुड़े। पंडरिया के पीएम स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में सांसद संतोष पाण्डेय, विधायक श्रीमती भावना बोहरा तथा अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वैश्विक संस्थाओं में व्यापक और वास्तविक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया, कहा

‘20वीं सदी के टाइपराइटर से नहीं चल सकता 21वीं सदी का सॉफ्टवेयर’

एजेंसी ● रियो डी जनेरियो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए वैश्विक संस्थाओं में व्यापक सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि वैश्विक दक्षिण के हाशिए पर पड़े देशों और 21वीं सदी की चुनौतियों का प्रभावी समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि वैश्विक दक्षिण अक्सर दोहरे मानकों का शिकार रहा है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने वैश्विक दक्षिण के सामने मौजूद प्रणालीगत असमानताओं और अक्षमताओं को रेखांकित किया और बताया कि इस क्षेत्र के हितों को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, वैश्विक दक्षिण अक्सर दोहरे मानकों का शिकार रहा है। चाहे विकास हो, संसाधनों का वितरण हो या सुरक्षा से जुड़े मुद्दे हों, वैश्विक दक्षिण के हितों को प्राथमिकता नहीं दी गई है। जलवायु वित्त, सतत विकास और तकनीकी की पहुंच जैसे मामलों में वैश्विक दक्षिण को केवल दिखावे के लिए कुछ ही मिला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 20वीं सदी में बने वैश्विक संस्थानों में दुनिया की दो-तिहाई आबादी का ठीक से प्रतिनिधित्व नहीं है। जिन देशों का वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है, उन्हें निर्णय प्रक्रिया में उचित स्थान नहीं मिला है, जिससे इन संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, बिना वैश्विक दक्षिण के ये संस्थाएं ऐसे हैं, जैसे मोबाइल जिसमें सिम तो है पर नेटवर्क नहीं। ये संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में असमर्थ हैं। चाहे दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी संघर्ष हों, महामारी हो, आर्थिक संकट हो या साइबर और अंतरिक्ष के नए उभरते खतरे, इन संस्थाओं के पास समाधान नहीं हैं।

बिना वैश्विक दक्षिण के ये संस्थाएं ऐसे हैं, जैसे मोबाइल जिसमें सिम तो है पर नेटवर्क नहीं

‘बहु-ध्रुवीय और समावेशी विश्व व्यवस्था की जरूरत’

उन्होंने कहा, आज विश्व को एक नई बहु-ध्रुवीय और समावेशी विश्व व्यवस्था की आवश्यकता है। यह व्यापक सुधारों से शुरु होना चाहिए। सुधार केवल प्रतीकात्मक नहीं होने चाहिए, बल्कि उनका वास्तविक प्रभाव भी दिखना चाहिए। शासन के ढांचे, मतदान के अधिकारों और नेतृत्व के पदों में बदलाव होना चाहिए। वैश्विक दक्षिण के देशों की चुनौतियों को नीति निर्धारण में प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

‘वैश्विक संस्थाओं का हो आधुनिकीकरण’

प्रधानमंत्री ने कहा, एआई के युग में जहां तकनीकी हर हफ्ते अपडेट होती है, यह स्वीकार्य नहीं है कि एक वैश्विक संस्था 80 साल में एक बार भी अपडेट न हो। 21वीं सदी का सॉफ्टवेयर 20वीं सदी के टाइपराइटर से नहीं चल सकता। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन और बहुपक्षीय विकास बैंकों जैसे संस्थानों के आधुनिकीकरण की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि वे समकालीन वास्तविकताओं और उभरती चुनौतियों का प्रभावी समाधान कर सकें। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स के विस्तार को सुधार का एक मॉडल बताया और इसमें इंडोनेशिया को शामिल किए जाने का स्वागत किया और इस समूह की बदलती भूमिका को स्वीकार किया।

टेस्ट में रनों के लिहाज से हासिल की अपनी चौथी बड़ी जीत

भारतीय टीम ने तोड़ा बर्मिंघम का तिलिस्म

एजेंसी ● बर्मिंघम

भारतीय टीम ने बल्लेबाजों के बाद आकाश दीप की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट मैच में 336 रनों से हराया। भारत ने इस तरह पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। भारत के लिए यह बर्मिंघम में ऐतिहासिक जीत है क्योंकि इससे पहले टीम ने यहां पर कभी कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम ने बर्मिंघम का तिलिस्म तोड़ा और एजबेस्टन में तिरंगा लहरा दिया।

भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे और इंग्लैंड को 407 रन पर आउट कर 180 रनों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। भारत ने शुभमन गिल के शतक की मदद से दूसरी पारी छह विकेट पर 427 रन बनाकर घोषित की थी और कुल 607 रनों की बढ़त हासिल कर इंग्लैंड के सामने 608 रनों का लक्ष्य रखा था। इंग्लैंड की दूसरी पारी पांचवें दिन 271 रन पर ऑलआउट हुई और भारत ने जीत हासिल की। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के शेष चार मैचों में वापसी करने की चुनौती थी। भारत का एजबेस्टन पर रिकॉर्ड अच्छा नहीं था। बर्मिंघम इंग्लैंड के उन तीन स्थलों में शामिल था जहां भारतीय टीम ने कभी जीत हासिल नहीं की थी। इस मैच से पहले बर्मिंघम में भारतीय टीम ने आठ मैच खेले थे जिसमें सात में उसे हार का सामना करना पड़ा था, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा था। लेकिन गिल की अगुआई में भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए एजबेस्टन में इतिहास रच दिया। गिल के नेतृत्व में भारत को पहली बार टेस्ट में जीत मिली। गिल एशिया के पहले कप्तान हैं जिन्होंने इंग्लैंड को बर्मिंघम में मात दी है। भारत की यह विदेश में रनों के लिहाज से टेस्ट में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नॉर्थ साउंड में 318 रनों से मैच जीता था। वहीं, रनों के लिहाज से टेस्ट में ओवरऑल उसकी चौथी बड़ी जीत है।

मुख्यमंत्री साय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें नमन किया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी नेता और भारतीय जनमानस में राष्ट्रीय चेतना का संचार करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने आज अपने निवास कार्यालय में स्व. डॉ. मुखर्जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया और उनके अतुलनीय योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने आवास एवं पर्यावरण विभाग की ली समीक्षा बैठक

भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नवा रायपुर का होगा सुनियोजित विकास

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में आवास एवं पर्यावरण विभाग के विभागीय काम-काज की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के अतंर्गत संचालित कार्यो की जानकारी लेते हुए अधिकरियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में वित्त एवं आवास पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, सचिव आवास एवं पर्यावरण अंकित आंनद, एन आर डी ए के सी.ई.ओ चंदन कुमार, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के आयुक्त अवनीश शरण, रायपुर विकास प्राधिकरण के सी.ई.ओ. आकाश छिकारा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर का सुव्यवस्थित विकास सरकार की पहली प्राथमिकता है। नवा रायपुर क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित विकास किया जायेगा। नवा रायपुर देश की सबसे आधुनिक व खुबसूरत राजधानी है।

देश के आई.आई.एम., ट्रिपल आई.टी., नेशनल लॉ विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष शिक्षण संस्थान यहां स्थापित किए गए हैं। भविष्य में नवा रायपुर में बसाहट और बढ़ेगी इसलिए यह आवश्यक है कि आगमी जरूरतों के हिसाब से यहां नागरिक सुविधाओं का भी विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार के संबंध में चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। भारत सरकार द्वारा परमालकसा - खरसिया नई रेलवे लाईन का निर्माण बलौदाबाजार जिले से होकर किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने इस रेल लाईन को नवा रायपुर से जोड़ने की मंशा जाहिर करते हुए कहा कि इससे नवा रायपुर में रेल सुविधाओं का विस्तार होगा और आम नागरिको को इसका लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय ने भारत माला परियोजना के अंतर्गत विशाखापट्टनम को जोड़ने वाले एक्सप्रेस-वे का निर्माण विकास के साथ आयात और निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु नवा रायपुर अटल नगर में एक लॉजिस्टीक हब की निर्माण आवश्यकता पर बल दिया। अधिकाारियों ने बाताया कि छत्तीसगढ़ से गुजरने वाले एक्सप्रेस-वे का निर्माण लगभग 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इसके बनने से रायपुर से विशाखापट्टनम की दूरी 100 कि.मी. कम हो जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश कि नई औद्योगिक नीति से बड़ी संख्या में निवेशक आकर्षित हो रहे है। इससे यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर क्षेत्र में ऑक्सीजोन निर्माण के अंतर्गत पीपल, बरगद, करंज, नीम, अशोक, अमलतास, गुलमोहर आदि पौधों के रोपण एवं ग्रोथ कि जानकारी ली। बैठक मे अधिकरियों ने बताया कि नवा रायपुर क्षेत्र में भविष्य में राज्य सरकार के विभिन्न आयोग-बोर्ड-निगम आदि के लिए आयोग बिडिंग कॉम्पलेक्स तैयार करने की योजना है। इसके अलावा काम-काजी महिलाओं के लिए वर्किंग वुमन हॉस्टल, 100 बिस्तर अस्पताल, नवा रायपुर में एक और नवीन थाना की स्थापना का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर क्षेत्र में नवीन भवनों के निर्माण के लिए आबंटित भू-खण्डों का समूचित उपयोग किया जाए।

मुख्यमंत्री ने आवास एवं पर्यावरण विभाग के अंतर्गत शामिल - छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, नगर तथा ग्राम निवेश, छत्तीसगढ़ भू-सम्पदा नियामक प्राधिकरण (रेरा), रायपुर विकास प्राधिकरण के काम-काज की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

तीरथगढ। तीरथगढ़ के झरने छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़िले में कांगेर घाटी पर स्थित हैं। ये झरने जगदलपुर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में 35 कि.मी. की दूरी पर स्थित हैं। कांगेर घाटी के जादूगर के नाम से मशहूर तीरथगढ़ झरने भारत के सबसे ऊँचे झरनों में से हैं। छत्तीसगढ़ के सबसे ऊंचे जलप्रपात में इसे गिना जाता है। यहां 300 फुट ऊपर से पानी नीचे गिरता है। कांगेर और उसकी सहायक नदियां मनुगा और बहार मिलकर इस सुंदर जलप्रपात का निर्माण करती हैं। विशाल जलराशि के साथ इतनी ऊंचाई से भीषण गर्जना के साथ गिरती सफेद रंग की जलधारा यहां आए पर्यटकों को एक अनोखा अनुभव प्रदान करती है। तीरथगढ़ जलप्रपात को देखने का सबसे अच्छा समय वर्षा के मौसम के साथ-साथ अक्टूबर से अप्रैल तक का है।

न्यूज कॉलम

महिलाओं का अश्लील फोटो वीडियो बनाकर करता था ब्लेकमेल, गिरफ्तार

कोंडागांव। पीड़ित महिला ने आरोपी अमान वीरानी पर महिलाओं की अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग व दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए कोंडागांव थाने मे अपराध दर्ज करवाया था. जिस पर कोण्डागाँव पुलिस ने पीडिता की रिपोर्ट दर्ज किया धारा 64(1), 64(2)(3), 308(2), 324(4), 115(2), 351(2) बीएनएस के तहत ऋफ्फ की गईं थी.वहीं, पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और महिलाओं के अश्लील फोटो वीडियों बनाकर ब्लैमेलिंग व दुष्कर्म के आरोपी अमान वीरानी को कोण्डागांव पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार भी कर लिया है. आरोपी पर आरोप है की वो महिलाओं की पहले फोटो और वीडियो बनाता था, इसके बाद उस वीडियो को उन्हीं महिलाओं को दिखाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर महिलाओं के साथ लगातार दुष्कर्म करता था और उनसे पैसे वसूलता था.पुलिस ने अपनी जाँच में पाया की आरोपी और भी महिलाओं का वीडिया बनाकर उन्हें वीडियो दिखाकर उनसे दुष्कर्म करता था. यही नहीं उन महिलाओं से पैसे की डिमांड भी करता था, फिलहाल पुलिस ने केशकाल से आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायलय के आदेश पर रिमांड पर जेल भेजा गया है.

1 लाख से अधिक पौधारोपण कर रचा गया विश्व कीर्तिमान

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में हुआ दर्ज डिप्टी सीएम साव ने गृहग्राम में पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण के दिए निर्देश

संवाददाता ● मुंगेली

जिले में हर आंगन में हरियालीह्लह्ल के उद्देश्य से चलाए गए वृक्षारोपण महाअभियान एक पेड़ माँ के नाम 2.0 ने इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना के 50 हजार हितग्राहियों के परिसरों में 1 लाख से अधिक पौधे लगाकर इस अभियान को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। इस ऐतिहासिक अभियान का जिला स्तरीय आयोजन मुंगेली विकासखंड के ग्राम लोहड़िया रामपुर स्थित महात्मा गांधी ऑक्सीजोन परिसर में हुआ, जहां छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने आम के पौधे रोपित कर जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय, उपाध्यक्ष शांति देवचरण भास्कर, कलेक्टर कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी भाग लिया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की प्रतिनिधि सोनल शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर मुंगेली जिला प्रशासन को बधाई दी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक जिम्मेदारी है, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे भावनात्मक संबंध को भी दशार्ता है। उन्होंने घटते जलस्तर और जलवायु संकट पर चिंता जताते हुए अधिकाधिक पौधारोपण और वर्षा जल संरक्षण को आवश्यक बताया। साथ ही रामपुर में सीसी रोड निर्माण हेतु 20 लाख रुपये की घोषणा भी की।

विधायक पुन्नूलाल मोहले ने वृक्षारोपण अभियान के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने पर्यावरण के संरक्षण और हरा-भरा बनाए रखने के लिए पेड़ लगाने प्रोत्साहित किया। साथ ही गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने के लिए जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

हर सुरक्षित स्थान पर लगाएं पौधे - कलेक्टर

कलेक्टर कुंदन कुमार ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे सभी क्षेत्रों में जिला प्रशासन नवाचार कर रहा है। इस अभियान के गिनीज रिकॉर्ड में दर्ज होने को जिले के लिए गौरव की बात बताया।

पेड़ ही भविष्य की सुरक्षा का आधार - पुलिस अधीक्षक और वनमंडलाधिकारी पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कहा कि पेड़ परोपकार और पुण्य का प्रतीक हैं। उन्होंने पौधों को बच्चों की तरह पालने की अपील की। वहीं वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वृक्षारोपण को अनिवार्य बताया।

पर्यावरण के प्रति कार्य करने वालों को सम्मानित

कार्यक्रम में वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वाले लोगों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। दरअसल, मुंगेली जिले में वन विभाग के द्वारा विशेष पहल की गई, जिसके तहत अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने वालों को सम्मानित किया जा रहा है।

फरार तोमर बंदुओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, कुर्क की जा सकती है संपत्ति

संवाददाता ● रायपुर

ब्लैकमेलिंग और अवैध वसूली के मामलों में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर वीरेन्द्र सिंह तोमर और रोहित सिंह तोमर के खिलाफ पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है. न्यायलय ने दोनों आरोपियों की गिरफ़्तारी का वारंट जारी किया गया है. न्यायालय ने दोनों आरोपियों को पुलिस जांच और पूछताछ के लिए उपस्थित होने के निर्देश भी दिए हैं. इस आदेश के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाश तेज कर दी है और अब उनकी संपत्तियों को कुर्क करने की तैयारी भी शुरू हो चुकी है. जानकारी के अनुसार, वीरेन्द्र और रोहित तोमर, उनके रिश्तेदारों और सहयोगियों के खिलाफ ब्लैकमेलिंग, धमकी और अवैध वसूली से जुड़े पांच अलग-अलग मामले दर्ज हैं. साथ ही आरोपी रोहित तोमर पर मारपीट का भी केस चल रहा है.

संपत्ति कुर्क करने की तैयारी

जांच में बरामद किए गए ज्वेलरी और नकदी को आयकर विभाग को सौंपा गया है. वहीं प्रॉपर्टी के दस्तावेजों की भी जांच जारी है. भाठागांव स्थित करीब 5000 वर्गफीट में बना ह्यसाई विला आरोपी वीरेन्द्र सिंह तोमर की पत्नी के नाम पर दर्ज है. वहीं, अभनपुर, भनपुरी समेत अन्य स्थानों पर वीरेन्द्र और रोहित के नाम पर जमीनों के दस्तावेज भी सामने आए हैं. दावा किया जा रहा है कि अगर दोनों आरोपी जल्द गिरफ्त में नहीं आते हैं, तो इनकी संपत्ति को कुर्क करने की कार्रवाई की जा सकती है. वहीं फरार आरोपियों के मददगारों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकेगी.

तकनीकी जांच से तलाश तेज, नए पीड़ित सामने आए

पुलिस की कई टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगी हैं और उनकी लोकेशन ट्रैक करने के लिए तकनीकी जांच जारी है. जांच के दौरान आरोपियों की संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड पुलिस को हाथ लगे हैं. इस मामले में पुलिस के बाद कई नए शिकायतकर्ता भी पहुंचे हैं. इनका आरोप है कि आरोपियों ने उनसे कई गुना ब्याज वसूलने के बाद भी गिरवी रखी जमीनों के दस्तावेज, चेक और अन्य कागजात वापस नहीं किए. इतना ही नहीं, उन्हें गाली-गलौज और जान से मारने की धमकियां भी दी गई.

मुरूम की जगह मिट्टी डाल बनाई जा रही सड़क: बारिश के बीच दलदल में फंसी यात्रियों से भरी बस, घटिया निर्माण पर उठे सवाल

संवाददाता ● नारायणपुर

जिले में इन दिनों राष्ट्रीय राजमार्ग के तहत बन रही सड़क की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान मुरूम की जगह मिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे सड़क बारिश में कीचड़ का ढेर बन गई है।बारिश का मौसम शुरू होते ही इस लापरवाही का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। सड़क पर छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही लगातार जारी है, लेकिन फिसलन और दलदल के कारण हादसे की आशंका बनी हुई है। मंगलवार को एक बड़ा मामला सामने आया, जब नारायणपुर से कोंडागांव की ओर जा रही यात्री बस कीचड़ में फंस गई।

बताया गया कि इस बस में कई बीमार यात्री सवार थे, जो इलाज के लिए कोंडागांव जा रहे थे। लेकिन जिस रास्ते से बस गुजर रही थी, वहां ठेकेदार द्वारा मुरूम के बजाय मिट्टी डाल दी गई थी, जो बारिश में दलदल बन चुकी थी। बस कीचड़ में बुरी तरह फंस गई और घंटों तक वहीं अटकी रही। स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद बस को बाहर निकाला गया।एनएसयूआई जिला अध्यक्ष विजय सलाम ने आरोप लगाया कि यह सड़क निर्माण कार्य पूरी तरह से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि मुरूम की जगह मिट्टी डालकर ठेकेदार ने जनता की जान से खिलवाड़ किया है। विजय सलाम ने निर्माण कार्य की स्वतंत्र जांच की मांग की है और ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई की बात भी कही है।

स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों में नाराजगी साफ देखी जा रही है। उनका कहना है कि सड़क निर्माण में ऐसी अनियमितता बरती गई है, जिससे हर रोज लोग जोखिम उठाकर सफर करने को मजबूर हैं। अब सवाल यह है कि क्या जिला प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच कराएगा? क्या दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई होगी? और सबसे जरूरी – क्या आम जनता को घटिया सड़क निर्माण से राहत मिल पाएगी?

बंदर की एयर गन से गोली मारकर हत्या

तखतपुर. छत्तीसगढ़ के तखतपुर जिले में बंदर की एयर गन से गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है. घटना के बाद से वन्य प्रेमियों में आक्रोश है. मामले को लेकर तखतपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है. मामले का खुलासा तब हुआ जब मृत बंदर का पोस्टमार्टम कराया गया. रिपोर्ट में बताया गया कि बंदर की मौत शरीर में एयर गन की गोली लगने से हुई है. उसके शरीर से एयर गन के दो छर्रे भी बरामद किए गए हैं. वन्य जीव प्रेमियों ने इस घटना की निंदा करते हुए तखतपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. मामले को गंभीरता से लेते हुए तखतपुर रेंज के रेंजर ने मौके का निरीक्षण किया और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया. फॉरेस्ट विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है. तखतपुर क्षेत्र में एयर गन रखने वालों की सूची तैयार की जा रही है.

स्वामी आत्मानंद स्कूल में अवैध वसूली का मामला: जांच में दोषी पाए जाने के बाद प्राचार्या को किया सस्पेंड

संवाददाता ● जांजगीर-चांपा

पामगढ़ स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की प्राचार्या एन.जे. एक्का को शासन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त करते हुए उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी (ऊ‌ऽड) कार्यालय में अटैच किया गया है। यह कार्रवाई शिक्षा विभाग के अवर सचिव द्वारा जारी आदेश के तहत की गई है।जानकारी के अनुसार, प्राचार्या एन.जे. एक्का पर अभिभावकों ने गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत में कहा गया था कि स्कूल में बच्चों के प्रवेश के नाम पर 15,000 से 20,000 रुपये वसूले गए और टाई-बेल्ट के नाम पर प्रत्येक छात्र से 300 रुपये लिए गए। इस पर शिक्षा विभाग ने एक सदस्यीय जांच समिति गठित कर मामले की जांच करवाई।जांच रिपोर्ट में आरोप सत्य पाए गए। रिपोर्ट में स्पष्ट उल्लेख है कि स्वामी आत्मानंद स्कूल एक सरकारी योजना के तहत संचालित होता है, जहां प्रवेश पूरी तरह निशुल्क होता है। इसके बावजूद प्राचार्य ने शासन के निर्देशों की अवहेलना करते हुए छात्रों व उनके अभिभावकों से पैसे वसूले, जो कि एक गंभीर अनियमितता है। प्रकरण को गंभीर मानते हुए शिक्षा विभाग ने प्राचार्या एक्का के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया और तत्काल प्रभाव से ऊ‌ऽड कार्यालय में अटैच कर दिया है।

शहरभर में गड़बड़ियां : भाजपा नेता निकाल रहे आरोपियों की कुंडली

भाजपा नेता घटिया काम कराने वाले की कुंडली निकालने में जुटे

संवाददाता ● इंदौर

स्मार्ट सिटी योजना के तहत इंदौर के नेहरू पार्क में कराए गए कार्यों पर गंभीर आरोप लगे हैं। नगर निगम के उद्यान विभाग प्रभारी राजेंद्र राठौर ने खुलासा किया है कि पार्क की हरियाली को उजाड़कर घटिया निर्माण किया गया है, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। राठौर ने बताया कि इस मामले की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय , लोकायुक्त और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा में की जा चुकी है। पार्क में आठ करोड़ रुपये से अधिक की लागत से कार्य किया गया, लेकिन फव्वारे चालू होने से पहले ही खराब हो गए, पाइपलाइन जंग खा चुकी है और मूर्तियां टूट गई हैं।

मामला

फव्वारे, टाइल्स और दुकानों की बदहाली- राठौर का आरोप है कि ठेकेदार की गारंटी अवधि डेढ़ साल अभी शेष है, इसके बावजूद वह मरम्मत करने के बजाय और पैसा मांग रहा है। पार्क में बनी दस दुकानों को आज तक शुरू नहीं किया गया और वे जर्जर हो चुकी हैं। ओपन थियेटर की टाइल्स भी गिरने लगी हैं और बच्चों की ट्रेन के रास्ते में लगे बैरिकेट्स टूट चुके हैं, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। पार्क में एक करोड़ रुपये खर्च कर बिजली व्यवस्था करवाई गई थी, लेकिन वह भी पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। जगह-जगह मलबा फैला हुआ है और अफसर कामों की जानकारी देने से बच रहे हैं।

सिर्फ नेहरू पार्क ही नहीं, शहरभर में गड़बड़ियां

राजेंद्र राठौर का कहना है कि सिर्फ नेहरू पार्क ही नहीं, बल्कि शहर में स्मार्ट सिटी योजना के तहत जहां भी काम हुए हैं, वहां गड़बड़ियां देखने को मिली हैं। क्लॉथ मार्केट से लेकर राजवाड़ा तक बनी सड़कें भी टूट रही हैं और नगर निगम को डामर चढ़ाना पड़ रहा है। न तो रखरखाव का ध्यान रखा गया, न ही ठेकेदार या कंसल्टेंट पर कोई कार्रवाई हुई। राठौर ने यह भी चेतावनी दी है कि जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती, वे इस मुद्दे को उठाते रहेंगे।

सूचना छुपा रहे अधिकारी, आरटीआई में भी नहीं दे रहे जवाब

राठौर ने यह भी आरोप लगाया कि नेहरु पार्क का निर्माण किस अधिकारी ने कराया, ठेकेदार और कंसल्टेंट कौन थे–इसकी जानकारी तीन बार पत्र लिखकर मांगी गई, लेकिन अब तक कोई उत्तर नहीं मिला। यहां तक कि सूचना के अधिकार में भी जानकारी देने से इनकार किया जा रहा है। बगीचे में लगाई गई लाइटें बंद हो चुकी हैं, शिकायत पर कुछ चालू हुईं, जो अगले ही दिन फिर बंद हो गईं। राठौर ने अफसरों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि निगम कार्यालय में अफसर सामने ही बैठते हैं, लेकिन किसी को चिंता नहीं है कि जनता का पैसा बर्बाद हो रहा है।

शॉट न्यूज

ई-रिक्शा से पति के गिरने पर दर्ज कराई रिपोर्ट

इंदौर। सदर बाजार थाने में एक महिला ने ई-रिक्शा चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। ई-रिक्शा चालक तेज और लापरवाहीपूर्वक लहराते हुए गाड़ी चला रहा था। जिसके कारण ई-रिक्शा बैठे महिला की पति गिर गए और उन्हें चोट आई। सदर बाजार पुलिस के मुताबिक घटना 29 जून की है। मामले में 4 जुलाई को जितिका गौड़ ने केस दर्ज कराया है। महिला ने पुलिस को बताया कि उनके पति विकास उर्फ विक्की गौड़ इमली बाजार से नाश्ता लेकर ई-रिक्शा में बैठकर घर आ रहे थे। ई-रिक्शा वाला अपने रिक्शा को काफी तेज गति से लापरवाही से लहराता हुआ चला रहा था। पति ने उसे लहराने और तेज गति से चलाने से रोका, लेकिन वह नहीं माना जैसे ही इमली बाजार कलाली के सामने पहुंचा उसने ई रिक्शा को अचानक मोड़ा जिससे मेरे पति ई रिक्शे से फीका कर बाहर गिरे, जिससे मेरे पति को बांए पैर में और दोनों हाथों में चोट आई हैं।

चोरी गई साइकिल ढूंढने पहुंचे युवक से मारपीट

इंदौर। बाणगंगा इलाके में चोरी गई साइकिल के बारे में युवक जब संदेही के घर पूछताछ करने पहुंचा तो उसके पिता ने उस पर पत्थरों से हमला कर लहूलुहान कर दिया। पुलिस ने फरियादी विशाल पिता कांते सिंह राजपूत निवासी नंदबाग कॉलोनी की शिकायत पर क्षेत्र में ही रहने वाले संतोष के खिलाफ केस दर्ज किया हैं। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मेरी सायकिल चोरी हो गयी है तो मुझे चेतन पर शक था कि उसने मेरी सायकिल चुराई है। इसके चलते मैं कल शाम उसके घर पूछने गया तो वहां उसका पिता संतोष मिला जो मुझे गालियां देने लगा। जब मैंने ऐसा करने से मना किया तो उसने पत्थर से मेरे सिर पर मारा, जिससे मेरे सिर व गाल पर चोट लगकर खून निकलने लगा।

रंजिश में शराब दुकान के बाहर फायरिंग करने वाले को पकड़ा

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में वाइन शॉप के बाहर पिस्टल से फायरिंग करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस भी मिले है। पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम देने की बात सामने आ रही है। दरअसल बीते दिनों एरोड्रम थाना क्षेत्र की एक शराब दुकान पर तीन दिन पहले एक बदमाश ने पिस्टल से फायरिंग कर दी। वह भीड़ में पिस्टल लेकर लोगों के पीछे दौड़ा, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी थी। इस वीडियो में फायरिंग करते हुए एक युवक नजर आया था। बदमाश ने अपना चेहरा भी कपड़े से छिपा रखा था।

दुकान चलाने और सुविधाघर के लिए निगम देगा जगह

प्रस्ताव हो रहा तैयार, एजेंसी के जिम्मे होंगे सारे कार्य

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम अब शहर के प्रमुख चौराहों पर ऐसे स्थान की तलाश में है जहां 300-500 वर्ग फीट जगह किसी संस्था को दी जाए जहां वह दुकान के साथ-साथ सुविधाघर भी बनाएं और उसका संचालन संधारण करें। साथ ही नगर निगम को प्रति माह जगह के किराए का भुगतान करें। इस तरह का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

प्रस्ताव

हालांकि अभी प्रारंभिक चर्चा हुई है और प्रस्ताव तैयार होने के बाद इसे अमल में लाए जाने की तैयारी की जाएगी। टेंडर के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे और जो वेंडर इन टेंडर को लेंगे उनसे शर्तों को लेकर के चर्चा होगी। इसके बाद व्यवस्थाओं में इस तरह की सुधार लाया जाएगा ताकि नगर निगम को वर्तमान में सुविधाघरों के रखरखाव पर जो राशि खर्च करना पड़ती है, वह भी खर्च न करना पड़े। साथ-साथ दोगुनी आमदनी भी हो जाए। नगर निगम केवल जगह उपलब्ध कराएगा और बाकी सारे कार्य संबंधित एजेंसी के जिम्मे होंगे। अभी हाल ये है कि नगर निगम को सुविधा घरों के रखरखाव और मेंटेनेंस पर भारी राशि खर्च करनी पड़ता है। आए दिन वे यहां लगे संसाधनों को तोड़ दिया जाता है और वहां गंदगी बनी रहती है। प्रतिदिन 24 घंटे वहां पर कोई मेंटेनेंस देखने वाला नहीं है जिसकी वजह से इस तरह की स्थिति निर्मित होती है लेकिन अब जब निजी हाथों में यह व्यवस्था जाएगी तो वे स्वयं ही पूरी देखरेख के पूरी लिए एक आदमी रखेंगे।

निगम को फायदा, जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी

टेंडर की शर्तों के अनुरुप यदि लोग रुचि लेंगे तो फिर उनसे नेगोशिएशन होगा। नेगोशिएशन के बाद नगर निगम यह सुनिश्चित करेगा कि निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी उसका संधारण संचालन कितने वर्षों तक करेगी। इस तरह की व्यवस्था हो जाने से नगर निगम को प्रति माह लाखों रुपये का जो खर्च है वह तो बचेगा ही साथ ही ऊपर से आय भी होने लगेगी। यह अपनी तरह का एक बेहतर विकल्प साबित होगा जिससे नगर निगम फायदे में हो जाएगा और जनता को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकेगी।

पानी टंकी के लिए काट रहे पुराने पेड़

इंदौर। नगर निगम खजाने से प्रतिवर्ष हरियाली के नाम करोड़ों रुपए खर्च कर रहा हैं। वहीं दूसरी तरफ के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की हरित प्रदेश की सोच पर नगर निगम बट्टा लगा रहा हैं। दरअसल यशवंत क्लब के नजदीक वर्षों पुराने पेड़ो को नगर निगम बेखौफ काट रहा हैं। हैरानी की बात है कि इतने पुराने पेड़ो की कटाई को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव से लेकर निगमायुक्त शिवम वर्मा तक मौन होकर देख रहे हैं। इधर बताया जा रहा है कि हरे-भरे पेड़ो को मात्र इसलिए काटा जा रहा है, ताकि यहां रहने वाले बड़े-बड़े बंगले वालों को नर्मदा टंकी बनने के बाद पानी मिल सके। इधर जिन पेड़ो को काटा जा रहा हैं, वो 30 वर्षों से पुराने हैं। लिहाजा यह कहना गलत नहीं होगा कि नगर निगम के जिम्मेदारों के दो चेहरे हैं। एक तरफ वो शहरवासियों से हरियाली बढ़ाने की बात करते है और दूसरी तरफ खुद उनके ही संरक्षण में हरियाली तबाह की जा रही हैं।

शहर में बढ़ रहे ब्लैक स्पॉट

लोगों की जा रही जान, बदलेगी चौराहों की डिजाइन

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में सड़क दुर्घटनाओं के खतरे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। शहर में ब्लैक स्पॉट की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे लोगों की जान पर बन आई है। प्रशासन ने अब इन ब्लैक स्पॉट की पहचान कर ली है और जल्द ही इनके सुधार के कार्य शुरू किए जाएंगे। इसके तहत कई स्थानों पर चौराहों की डिजाइन बदली जाएगी, वहीं कुछ जगहों से बस स्टैंड हटाने की भी योजना बनाई गई है। शहर के प्रमुख ब्लैक स्पॉट में तीन इमली चौराहा और उसके आगे स्थित सर्विस रोड का कट सबसे खतरनाक माने जा रहे हैं। बीते तीन वर्षों (2022-2024) में यहां 14 दुर्घटनाएं और 12 मौतें हो चुकी हैं। हाल ही में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में तय किया गया कि कागज़ी कार्रवाई से आगे बढ़ते हुए धरातल पर ठोस कदम उठाए जाएं। इसके बाद यातायात पुलिस ने निगम को ब्लैक स्पॉट समाप्त करने के उपाय बताए हैं और जोन 3 से पत्राचार भी हो चुका है। तीन इमली चौराहा और विशेष जुपिटर हॉस्पिटल के पास स्थित कट में भारी वाहन, रात के अंधेरे और तेज रफ्तार से आने वाले वाहनों की वजह से सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं। ब्रिज के नीचे लोक परिवहन वाहनों के अनधिकृत स्टैंड, ठेले और अव्यवस्थित पार्किंग हालात को और बिगाड़ देते हैं। जोन 3 के एसीपी हिंदूसिंह मुवेल ने बताया कि तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए रंबल स्ट्रिप, चेतावनी बोर्ड और रेडिटाम लगाए जाएंगे। फ्लाईओवर के नीचे प्रकाश व्यवस्था भी सुधारी जाएगी। बारिश के मौसम में ट्रैफिक दबाव को देखते हुए कलेक्टर ने तीन इमली से इंदौर शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक प्रतिबंध लगा दिया है। पहले यह समय शाम 5 से 7 बजे तक था। वहीं भंवरकुआं थाना क्षेत्र में विशेष जुपिटर हॉस्पिटल के सामने भी गंभीर स्थिति बनी हुई है। यहां पिछले तीन वर्षों में 7 दुर्घटनाएं और 6 मौतें हो चुकी हैं। यातायात पुलिस इस कट को बंद कर आगे खोलने और सिटी बस स्टॉप को दूसरी जगह शिफ्ट करने की तैयारी में है, ताकि सड़क पार करने वाले यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

योजना

लोगों की जा रही जान, प्रशासन बदलेगा चौराहों की डिजाइन, तेज रफ्तार, अंधेरा और अनियोजित स्टॉप्स बन रहे हादसों की वजह

सड़क दुर्घटनाओं के लगातार बढ़ते खतरे, बढ़ रहे ब्लैक स्पॉट

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में सड़क दुर्घटनाओं के खतरे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। शहर में ब्लैक स्पॉट की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे लोगों की जान पर बन आई है। प्रशासन ने अब इन ब्लैक स्पॉट की पहचान कर ली है और जल्द ही इनके सुधार के कार्य शुरू किए जाएंगे। इसके तहत कई स्थानों पर चौराहों की डिजाइन बदली जाएगी, वहीं कुछ जगहों से बस स्टैंड हटाने की भी योजना बनाई गई है। शहर के प्रमुख ब्लैक स्पॉट में तीन इमली चौराहा और उसके आगे स्थित सर्विस रोड का कट सबसे खतरनाक माने जा रहे हैं। बीते तीन वर्षों (2022-2024) में यहां 14 दुर्घटनाएं और 12 मौतें हो चुकी हैं। हाल ही में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में तय किया गया कि कागज़ी कार्रवाई से आगे बढ़ते हुए धरातल पर ठोस कदम उठाए जाएं। इसके बाद यातायात पुलिस ने निगम को ब्लैक स्पॉट समाप्त करने के उपाय बताए हैं और जोन 3 से पत्राचार भी हो चुका है।

अनधिकृत स्टैंड, ठेले और अव्यवस्थित पार्किंग

तीन इमली चौराहा और विशेष जुपिटर हॉस्पिटल के पास स्थित कट में भारी वाहन, रात के अंधेरे और तेज रफ्तार से आने वाले वाहनों की वजह से सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं। ब्रिज के नीचे लोक परिवहन वाहनों के अनधिकृत स्टैंड, ठेले और अव्यवस्थित पार्किंग हालात को और बिगाड़ देते हैं। जोन 3 के एसीपी हिंदूसिंह मुवेल ने बताया कि तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए रंबल स्ट्रिप, चेतावनी बोर्ड और रेडिटाम लगाए जाएंगे। फ्लाईओवर के नीचे प्रकाश व्यवस्था भी सुधारी जाएगी। भारी वाहनों की एंट्री पर पाबंदी और बस स्टॉप स्थानांतरित करने की योजना बारिश के मौसम में ट्रैफिक दबाव को देखते हुए कलेक्टर ने तीन इमली से इंदौर शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक प्रतिबंध लगा दिया है। पहले यह समय शाम 5 से 7 बजे तक था। वहीं भंवरकुआं थाना क्षेत्र में विशेष जुपिटर हॉस्पिटल के सामने भी गंभीर स्थिति बनी हुई है। यहां पिछले तीन वर्षों में 7 दुर्घटनाएं और 6 मौतें हो चुकी हैं। यातायात पुलिस इस कट को बंद कर आगे खोलने और सिटी बस स्टॉप को दूसरी जगह शिफ्ट करने की तैयारी में है, ताकि सड़क पार करने वाले यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

2024 में यह संख्या 18 लाख 93 हजार पर ही अटक गई थी

इस साल 6 महीने में ही इंदौर एयरपोर्ट पर 22 लाख यात्रियों ने किया सफर

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने इस साल यात्रियों के आंकड़े में कमाल कर दिया है। इंदौर एयरपोर्ट के इतिहास में इस साल पहली बार 6 महीने में ही यात्रियों की संख्या 22 लाख को पार कर गई है। जबकि पिछले साल यानी 2024 में यह संख्या 18 लाख 93 हजार पर ही रुक गई थी। हांलाकि इस साल जून में जहां उड़ानों की संख्या में गिरावट आई, वहीं यात्रियों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार जून में 192 उड़ानें कम होने के बावजूद 1896 अतिरिक्त यात्रियों ने इंदौर एयरपोर्ट से सफर किया। इसका श्रेय गर्मी की छुट्टियों और उत्तर भारत में पर्यटन में आई तेजी को दिया जा रहा है। जून में कुल 2,712 उड़ानों का संचालन हुआ, जबकि मई में यह संख्या 2,890 थी। बावजूद इसके, जून में कुल 3,67,664 यात्रियों ने सफर किया, जो मई के मुकाबले करीब 1,896 ज्यादा है।

सफर

ट्रैवल एजेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष अमोल कटारिया के अनुसार, जुलाई में स्कूल-कॉलेज खुलने से यात्रियों की संख्या कम हो सकती है। जनवरी से जून 2025 के बीच इंदौर एयरपोर्ट से कुल 16,735 उड़ानों का संचालन हुआ और 22,05,576 यात्रियों ने सफर किया। यह पहली बार है जब छह माह में इंदौर एयरपोर्ट की यात्री संख्या 22 लाख के पार पहुंची है। वहीं ट्रैवल एजेंट्स का कहना है कि अप्रैल में हुए आतंकी घटनाक्रम के बाद उत्तर भारत का पर्यटन प्रभावित हुआ था। लेकिन जून में हालात सामान्य होने से जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश जैसे हिल स्टेशनों की ओर एक बार फिर पर्यटक लौटे, जिससे यात्री संख्या में उछाल आया। इंदौर एयरपोर्ट से बढ़ते यात्रियों के आंकड़ों को देखते हुए इस सेक्टर से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर यात्रियों के बढ़ने का यहीं ट्रेंड रहा तो यहां के 87 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब यात्रियों का आंकड़ा 40 लाख को पार कर जाएगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी की रिपोर्ट के मुताबिक 1 जनवरी 2023 से 31 जून 2023 तक इंदौर एयरपोर्ट से 17 लाख 1 हजार 819 यात्रियों ने सफर किया था। वहीं पिछले साल यानी 1 जनवरी 2024 से लेकर 31 जून 2024 तक 18 लाख 93 हजार 972 यात्रियों ने सफर किया था।

उड़ानों और यात्रियों के हिसाब से सबसे बड़ी संख्या

इस साल 1 जनवरी 2025 से 30 जून 2025 तक 22 लाख 5 हजार 576 यात्री इंदौर एयरपोर्ट से यात्रा कर चुके हैं। यानी कि इस साल 2024 के मुकाबले 3 लाख 11 हजार 604 यात्री ज्यादा इंदौर एयरपोर्ट पर आना-जाना कर चुके हैं। इन आंकड़ों ने इंदौर को एक बार फिर सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बना दिया है। 2023 में इंदौर एयरपोर्ट से 35 लाख 39 हजार 406 यात्रियों ने सफर किया है। उड़ानों और यात्रियों की संख्या के मान से यह इतिहास में इंदौर के सबसे बड़े आंकड़े हैं। इससे पहले साल 2019 में इंदौर से 30 लाख 24 हजार 364 यात्रियों ने सफर किया था।

अमेरिका को क्लीन-एनर्जी से पीछे लेकर जा रहे हैं ट्रम्प

क्या आप पूर्व से आ रही उस जोरदार आवाज को सुन सकते हैं? चीन के 1.4 अरब लोग मिलकर हम पर हंस रहे हैं! वे अपनी किस्मत पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि एआई के भारी बिजली-खपत वाले युग में ट्रम्प और उनकी पार्टी ने रणनीतिक आत्महत्या की तैयारी कर ली है। उन्होंने एक बिल पारित किया है, जो रिन्यूएबल एनर्जी पैदा करने की अमेरिका की क्षमता को कमजोर करता है। और क्यों? क्योंकि ट्रम्प उन्हें ऊर्जा के ह्यलिबरलह्व स्रोत के रूप में देखते हैं, फिर भले ही आज वे एआई डेटा केंद्रों से आ रही अथाह मांग को पूरा करने के लिए हमारे बिजली ग्रिड को बढ़ावा देने के सबसे तेज और सस्ते तरीके क्यों ना हों।

अब तो सऊदी अरब भी पश्चिम से प्राप्त किए जाने वाले एआई डेटा केंद्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा पर दोगुना जोर दे रहा है और ट्रम्प का ह्यबिग, ब्यूटीफुल बिलह्व इससे ठीक उलट करने पर आमादा है। यह सौर और पवन ऊर्जा के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के टैक्स क्रेडिट को समाप्त कर देता है। यह वस्तुतः इस बात की गारंटी देता है कि आने वाले समय में चीन सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और इलेक्ट्रिक कारों-ट्रकों सहित ऑटोनोमस वाहनों का सिरमौर होगा। शुक्र है कि ट्रम्प और उनके दोस्तों ने 2036 तक उन कंपनियों के लिए बाइडेन-युग का टैक्स क्रेडिट सुरक्षित रखा, जो परमाणु रिएक्टर, पनबिजली बांध, जियोथर्मल संयंत्र और बैटरी भंडारण जैसी अन्य उत्सर्जन-मुक्त तकनीकें बनाती हैं।

समस्या यह है कि अमेरिका में एक परमाणु संयंत्र बनाने में 10 साल तक का समय लग सकता है, और ट्रम्प के बिल ने बैटरी क्रेडिट में कुछ ऐसे जटिल प्रतिबंध जोड़ दिए हैं, जो प्राप्तकताओं को चीन जैसी ह्यप्रतिबंधित विदेशी संस्थाओंह्व से संबंध रखने से रोकते हैं। ये प्रतिबंध इतने जटिल हैं कि क्रेडिट कई परियोजनाओं के लिए अनुपयोगी हो सकते हैं।

संक्षेप में, यह बिल- जिसे स्वतंत्र ऊर्जा विशेषज्ञों या यहां तक कि एक भी वैज्ञानिक के साथ कांग्रेस की एक भी सुनवाई के बिना जल्दबाजी में पारित कर दिया गया है- निश्चित रूप से रिन्यूएबल एनर्जी में अरबों डॉलर के निवेश को जोखिम में डाल देगा। यह हजारों अमेरिकी श्रमिकों की नौकरियां भी खत्म कर सकता है। तो, एक झटके में यह बिल आपके एयर-कंडीशनिंग बिल को बढ़ा देगा, आपकी क्लीन एजर्नी की नौकरियों को कम कर देगा और अमेरिका के ऑटो उद्योग को कमजोर करते हुए चीन को खुश कर देगा। अमेरिका में जो एक व्यक्ति इस सबको अच्छी तरह से समझता है, वे इलॉन मस्क हैं। यह दुःखद है कि मस्क- जो निःसंदेह अमेरिका के सबसे महान मैन्युफैक्चरिंग इनोवेटर्स में से एक हैं- ने सरकारी कार्यबल में मनमानी कटौती के कारण मतदाताओं के सामने खुद को बदनाम कर लिया है। इसके चलते बहुत से लोग उस महत्वपूर्ण सत्य को नहीं समझ पाएंगे, जो मस्क अपने साथी अमेरिकियों को चीख-चीखकर बता रहे हैं कि ट्रम्प का बिल पूरी तरह से पागलपन से भरा और विनाशकारी है। यह अतीत के उद्योगों को बढ़ावा देता है और भविष्य के उद्योगों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। और यह बात चीन जानता है। दूसरे शब्दों में कहें तो एआई मॉडल के लिए उत्पादित की जा सकने वाली सस्ती, क्लीन बिजली की मात्रा और किसी देश की भविष्य की आर्थिक और सैन्य ताकत के बीच इतना घनिष्ठ संबंध कभी भी नहीं रहा था। लेकिन ट्रम्प ने क्लीन एनर्जी नीति को अस्वीकार कर दिया है और अमेरिका की रिन्यूएबल एनर्जी इंडस्ट्री को घुटने टेकने के लिए कह दिया है। लेकिन चीन तो आज ऐसा नहीं कर रहा है। बहुत कम अमेरिकी यह समझ पाते हैं कि चीन इस मामले में हमसे कितना आगे जा चुका है और हर दिन और तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2000 में चीन ने सिर्फ 1,300 टेरावॉट बिजली का उत्पादन किया था, जबकि अमेरिका ने लगभग 3,800 टेरावॉट का (एक टेरावॉट एक मिलियन मेगावॉट के बराबर होता है)। जबकि आज चीन 10,000 टेरावॉट से ज्यादा बिजली का उत्पादन कर रहा है, जबकि अमेरिका ने 2000 से अब तक अपने आंकड़े में सिर्फ 500 टेरावॉट ही जोड़े हैं।

अमेरिका में जो एक व्यक्ति इस सबको अच्छी तरह से समझता है, वे इलॉन मस्क हैं। यह दुःखद है कि मस्क- जो निःसंदेह अमेरिका के सबसे महान मैन्युफैक्चरिंग इनोवेटर्स में से एक हैं- ने सरकारी कार्यबल में मनमानी कटौती के कारण मतदाताओं के सामने खुद को बदनाम कर लिया है। इसके चलते बहुत से लोग उस महत्वपूर्ण सत्य को नहीं समझ पाएंगे, जो मस्क अपने साथी अमेरिकियों को चीख-चीखकर बता रहे हैं कि ट्रम्प का बिल पूरी तरह से पागलपन से भरा और विनाशकारी है।

संत वचन

जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।ईश्वर हम सभी के साथ रहें और वह हमारे हर प्रयास और प्रयासों को आशीर्वाद दें ताकि हम सभी चीजों में उनकी महिमा करते रहें। इसके बजाय, ईसाइयों के रूप में, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि हम विनम्र रहें और दूसरों की बात सुनने के लिए तैयार रहें, खासकर भगवान की बात सुनने में। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया जा रहा?

मैं हाल ही मैं कश्मीर की एक यात्रा से लौटा हूं। जहां घाटी पहले की तरह खूबसूरत है, वहीं वह पहलगाम हमले के बाद पर्यटकों की बेरुखी के चलते वीरान भी लग रही है। अपनी यात्रा के दौरान मुझे कई कश्मीरियों से बातचीत करने का मौका मिला। इनमें वहां के आम नागरिकों के अलावा डॉ. कर्ण सिंह, फारूख अब्दुल्ला, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश संजय कृष्ण कौल, विजय धर और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जैसी हस्तियां भी शामिल थीं। लेकिन सभी के दिमाग में एक ही सवाल कौंध रहा था : जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा कब बहाल होगा? एक केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर जम्मू-कश्मीर की मौजूदा स्थिति संघीय भावना और संविधान की लोकतांत्रिक प्रकृति, दोनों के ही खिलाफ है। हमें इसको लेकर कोई गफलत नहीं होनी चाहिए कि केंद्र शासित प्रदेश की व्यवस्था ही एक लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार की ताकत को सीमित करने के लिए है। अपने आकार, आबादी और ऐतिहासिक विरासत के लिहाज से महत्वपूर्ण जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाना न सिर्फ बेतुका है, बल्कि बीते 75 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी मौजूदा राज्य को केंद्र शासित बना दिया गया हो।

एडिट.नोट

सच कहें तो यह समझ से परे है कि केंद्र सरकार क्यों पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली को टाल रही है। 2019 में अनुच्छेद 370 की समाप्ति और जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देते वक्त गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में वादा किया था कि ह्यउचित समय आने परह्व पूर्ण राज्य का दर्जा पुनः प्रभावी कर दिया जाएगा। अगस्त 2023 में भी केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में आश्वासन दिया था कि जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा अस्थायी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के ठीक शब्द ये थे : ह्यमैं आश्वस्त करता हूं कि हम जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य बनाने के लिए उत्तरोत्तर आगे बढ़ रहे हैं।ह्व मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने दिसंबर 2023 में निर्देश दिए थे कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा लौटा देना चाहिए। इसके लिए सितंबर 2024 तक चुनाव हो जाने चाहिए। चुनाव तो खैर सितंबर 2024 में ही हुए। वे स्वतंत्र और निष्पक्ष रीति से भी सम्पन्न हुए, जिनमें 60 प्रतिशत मतदान हुआ। 90 सदस्यीय सदन में नेशनल कॉन्फ्रेंस को स्पष्ट बहुमत मिला और उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री बने। लेकिन नवगठित विधानसभा ने सर्वसम्मति से जो पहला प्रस्ताव पारित किया, वह पूर्ण राज्य की बहाली की मांग करने वाला था।

और इसके बावजूद केंद्र ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है। 29 अप्रैल को पहलगाम हमला हुआ। हर कश्मीरी इस नृशंस हमले के विरोध में निडरता के साथ खड़ा था। व्यापारियों ने बाजार बंद किए, नागरिकों ने कैंडल-लाइट मार्च निकाले, मस्जिदों में लोगों में काली पट्टियां बांधीं और घाटी के मुख्य मौलवी मीरवाइज उमर फारूक ने हमले की निंदा की। सभी कश्मीरियों ने शोक जाहिर किया। यह पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता जताने का कश्मीरियों का अभूतपूर्व प्रयास था। वे साम्प्रदायिक हिंसा की पुरजोर मुखालफत कर रहे थे, जो उनके रोजगार पर भी चोट पहुंचाता है, क्योंकि कश्मीर में पर्यटन आय का बड़ा जरिया है।

यही वह समय था, जब हमले के विरोध में कश्मीरियों की एकजुटता को देखते हुए केंद्र सरकार को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिए थी। खासतौर पर इसलिए क्योंकि उमर अब्दुल्ला पर यह भरोसा किया जा सकता है कि वे केंद्र के साथ सकारात्मक तौर पर काम करेंगे। उमर अब्दुल्ला कोई गैरजिम्मेदार चरमपंथी नहीं हैं। लेकिन इसके बजाय केंद्र ने अंधाधुंध कार्रवाई करते हुए संदिग्ध आतंकवादियों के रिश्तेदारों और पड़ोसियों के घरों को ढहाना शुरू कर दिया, जो कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सीधा-सीधा उल्लंघन था। इसने पहलगाम हमले के बाद कश्मीरियों में समर्थन के लिए पैदा हुई भावना को भी धीरे-धीरे समाप्त कर दिया। इससे ज्यादा उन्हें यह भी अपमानजनक लगा कि जिस मुख्यमंत्री को उन्होंने चुना था, उनकी कानून-व्यवस्था में कोई भूमिका नहीं थी। उन्हें तो सुरक्षा अभियानों की जानकारी तक नहीं दी गई थी।

एन रघुरामन- लेखक

आपके रसोईघर के उपकरण बहुत जल्दी क्यों चलन के बाहर हो जा रहे हैं?

अगर आप मुंबई में मेरे दोस्त अंजन मुखर्जी के पास संडे-ब्रंच के लिए जाते हैं तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आप उनकी छत पर बैठकर एक गिलास बीयर या मौसम के हिसाब से गर्म सूप की चुस्कियां लें। यह उनकी पुरानी आदत है। मैं पिछले 30 सालों से उन्हें जानता हूं और उस ब्रंच में उनकी सबसे पुरानी आदत यह है कि वे बीयर की बोतलें 1990 के दशक के गोदरेज के लाल रंग के 165 लीटर के फ्रिज से निकालते हैं। खाना गर्म करने वाला उनका ओवन भी पिछली सदी का है। उनकी छत और छत तक जाने वाली सीढ़ियों पर रखी गई ज्यादातर चीजें अपनी उम्र से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं, फिर भी वे निष्ठापूर्वक उनकी सेवा करती हैं। हो सकता है कि वे चमचमाती हुई न हों। लेकिन वे अपना काम अच्छे से कर रही हैं।

मैं हमेशा सोचता हूं कि मेरे और आपके घरेलू उपकरण जल्दी क्यों खराब हो रहे हैं? यह न कहें कि हमारे पास पुराने उपकरणों को रखने के लिए अंजन जैसी जगह नहीं है। यह सच नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने आधुनिक उपकरणों की तुलना अंजन की छत पर रखे 30 साल पुराने फ्रिज या 25 साल पुराने ओवन से करना बंद नहीं किया है। और इसे मनोवैज्ञानिक अप्रचलन कहते हैं! मनोवैज्ञानिक अप्रचलन का अध्ययन करने वाले और कई गैजेट के डिजाइन पर काम करने वाले लोगों का कहना है कि लोग काम कर रही मशीनों को भी बदल देते हैं क्योंकि उन्हें नए और ट्रेंडी या दोस्तों के बीच सबसे फैशनेबल टैग वाले उत्पाद चाहिए। लोग केवल किसी सामान के टूट जाने या खराब होने पर ही उसे नहीं बदलते हैं। वे इसलिए भी पुरानी चीजों को बदल देते हैं, क्योंकि नया सामान ज्यादा आकर्षक दिखता है, ज्यादा हाई-टेक होता है या वो बस उनकी दीवार के रंग से मेल खाने वाला होता है। डिजाइनर्स इस कमजोरी को जानते हैं और इसलिए वे लगातार नए लुक में सामान बनाते रहते हैं। यह उत्पादों के रिप्लेसमेंट को बढ़ावा देने और बिक्री बढ़ाने की एक सरल मार्केटिंग रणनीति है। मैंने कई तकनीशियनों से बात की, जिनके नंबर मेरे मोबाइल में इतने सालों से मेरे घरेलू उपकरणों की मरम्मत के चलते दर्ज हो गए हैं, और उन्होंने मुझे एक आश्चर्यजनक उत्तर दिया।

शहर में आज भी ऐसे बेबी बूमर्स (1946 से 1964 के बीच जन्मे लोग) हैं, जिन्हें वे रिपेयरिंग सेवाएं दे रहे हैं और जिनके पास अभी भी पिछली सदी के उपकरण चल रहे हैं। एक कोरियाई कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले नरेंद्र कहते हैं, जब मैं उनके रसोई के उपकरण खोलता हूं तो अपने इंजीनियरिंग कौशल को बेहतर बना रहा होता हूं और पुराने उपकरणों की मरम्मत करने के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में यह भी एक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक उपकरण लंबे समय तक चलने के लिए नहीं बनाए जाते। यही कारण है कि कई उत्पादों में वारंटी और एक्सटेंडेड वारंटी भी 4 साल से अधिक नहीं होती है। पिछले कुछ वर्षों में उपकरणों को ठीक करने के लिए आसानी से मिलने वाले कई पुर्जों को डिजिटल से बदल दिया गया है, जो कि प्रोपराइटरी संस्करण होते हैं और उनकी मरम्मत नहीं किया जा सकती। रिपेयरिंग के महंगे हो जाने का एक कारण यह भी है। कुछ उत्पादों का औसत जीवन बढ़ा है तो कुछ में इसमें खासी कमी आई है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घरेलू उपकरण अपने औसत जीवन तक चलें तो ये ट्रिक्स आजमाएं एप्लायंसेस में ऐसे फीचर्स भी होते हैं, जिनका कोई शायद ही कभी उपयोग करता है या उन्हें समझता भी नहीं है। फिर आप उन्हें खरीदते ही क्यों हैं। नए रिलीज किए गए मॉडल को खरीदने से पहले दो बार सोचें। एक्सटेंडेड वारंटी और नियमित रखरखाव में निवेश करें, ठीक उसी तरह जैसे आप हर तीन महीने में अपनी कार का मेंटेनेंस करते हैं। यदि कोई छोटी-मोटी खामियां हैं तो उनके साथ जीना सीखें। नहीं तो खुद ही रिपेयर करने की कोशिश करें या इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे अपने बच्चों की मदद लें। बुरी से बुरी हालत में भी यह उनके लिए एक प्रशिक्षण तो होगा ही। फंडा यह है कि उत्पादों के कई साल न टिकने का कारण हमारी मनोवैज्ञानिक अप्रचलनशीलता और निमार्ता का डिजाइन बदलकर ज्यादा मुनाफा कमाने का लालच है। स्वयं निर्णय लें कि क्या आप उपकरणों को अपग्रेड करते रहना चाहते हैं या पुराने उपकरणों का उपयोग जारी रखकर अपनी मेहनत की कमाई बचाना चाहते हैं?

बिजनेस

मोहल्ले की दुकान से मिला आइडिया... 15 लाख की पूंजी से खड़ा कर दिया 150 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली: कोलकाता के मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले देबादित्य चौधरी की कहानी जुनून, कड़ी मेहनत और सपने को हकीकत में बदलने की प्रेरणादायक मिसाल है। मोहल्ले के चाइनीज भोजनालय से मिली प्रेरणा ने उन्हें देश के सफलतम रेस्तरां उद्यमियों में से एक बना दिया। उन्होंने 2010 में सिर्फ 15 लाख रुपये के निवेश और 350 वर्ग फीट की एक छोटी सी जगह में चॉवमैन की शुरूआत की।

यह आज करोड़ों के रेस्तरां साम्राज्य में बदल चुका है। आइए, यहां देबादित्य चौधरी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।देबादित्य चौधरी का बचपन कोलकाता के बालीगंज इलाके में बीता। वहां पास के 'किम वाह' रेस्तरां से आने वाली चाइनीज खाने की खुशबू उनके मन में गहरी बैठ गई। छह साल की उम्र में पहली बार चाइनीज खाना चखते ही उन्हें उससे प्यार हो गया। किम वाह के मालिक का परिवार देबादित्य के लिए एक्सटेंडेड फैमिली जैसा था। इन अनुभवों ने उनमें अपना खुद का चाइनीज रेस्तरां खोलने का सपना जगाया। यह सपना उनके दिल में हमेशा जिंदा रहा, भले ही उन्होंने पढ़ाई और संगीत में अपनी रुचि जारी रखी।

उन्होंने 1999 में साउथ पॉइंट हाई स्कूल से 10वीं और 2004 में सेंट जेवियर्स कॉलेज से बी.कॉम पूरा किया। इसके बाद उन्होंने 2006 में क्लहइट से एमबीए किया। देबादित्य पढ़ाई के साथ संगीत के भी बेहद जुनूनी थे। उन्होंने कॉलेज के पहले साल में अपने दोस्तों के साथ मिलकर बंगाली रॉक बैंड 'लक्खीछारा' की स्थापना की। एक कीबोर्ड प्लेयर के रूप में बैंड के साथ कई देशों में परफॉर्मेंस दी। एमबीए के बाद उन्होंने 2006 में ब्लू लोटस कम्युनिकेशंस नाम की पीआर एजेंसी में ब्रांड हेड के रूप में काम करना शुरू किया। वहां देबादित्य 2010 तक काम करते रहे। उनकी मासिक इनकम 1 लाख रुपये तक पहुंच गई। हालांकि, उनके बचपन का चाइनीज रेस्तरां खोलने का सपना कभी फीका नहीं पड़ा। पर्याप्त पैसे बचाने के बाद उन्होंने अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़ दी और अपने उद्यम की ओर कदम बढ़ाया।

यह जानते हुए कि कोलकाता जैसे शहर में पहले से ही कई प्रसिद्ध चाइनीज रेस्तरां मौजूद हैं, उन्होंने रिस्क लेने का फैसला कयिा।देबादित्य ने अपने पहले चॉवमैन आउटलेट को मध्यम वर्ग के ग्राहकों के लिए किफायती कीमत पर 'फाइन-डाइनिंग' अनुभव प्रदान करके अलग करने का फैसला किया। उनका लक्ष्य सड़क किनारे भोजनालयों की कीमत पर फाइव-स्टार चाइनीज डाइनिंग अनुभव देना था। प्रामाणिक माहौल बनाने के लिए उन्होंने सीधे चीन से सॉस, क्रॉकरी और कटलरी का आयात किया। दो प्रशिक्षित शेफ और 70 व्यंजनों के साथ शुरू हुआ उनका पहला आउटलेट तुरंत लोकप्रिय हो गया। रेस्टोरेंट में 300 रुपये में दो लोगों के लिए मेनू की पेशकश की गई। स्वादिष्ट भोजन और किफायती कीमतों के कारण उनका रेस्तरां खुलने के बाद से ही ग्राहकों से गुलजार रहता था। पहले साल में ही चॉवमैन ने 20 लाख रुपये का टर्नओवर हासिल किया, जिससे उत्साहित होकर उन्होंने 2011 में दूसरा आउटलेट खोला और 2013 तक 1 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक पहुंच गए।

राज-काज

अमेरिका-चीन टैरिफ पर क्यों झुके

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन ने बढ़ते टैरिफ वॉर को लगभग समाप्त कर लिया है। दोनों देशों ने जेनेवा में ट्रेड डील की और 115% टैरिफ कटौती का ऐलान किया। दोनों के बीच यह समझौता फिलहाल 90 दिनों के लिए है। अमेरिका ने चीनी सामानों पर 145% और चीन ने अमेरिकी सामानों पर 125% टैरिफ लगा रखा है। इस कटौती के बाद चीन पर अब 30% और अमेरिका पर 10% टैरिफ रह जाएगा। इस समझौते पर अमेरिका ने कहा कि चीन के साथ मतभेद उतने बड़े नहीं थे जितना सोचा था। लेकिन कई और कारण हैं जो इस समझौते के लिए जिम्मेदार हैं... चीनी आयात पर 145% अमेरिकी टैरिफ और चीन के 125% जवाबी टैरिफ ने दोनों के बीच सालाना एवरेज 610 बिलियन डॉलर के व्यापार पर काफी दबाव पड़ा। अमेरिका के रिटेल बिजनेस पर बढ़ती कीमतों का सीधा असर पड़ रहा था। इससे कंज्यूमर एक्सपेंडिचर कम हो रहा था।

कार और एसी से नहीं बनेंगे अमीर...मिडिल क्लास की तरक्की में सबसे बड़ी रुकावट

नई दिल्ली: पोर्टफोलियो मैनेजर श्याम शेखर ने मिडिल क्लास की तरक्की में बाधाओं पर अपनी राय साझा की है। उनका कहना है कि मिडिल क्लास परिवार अक्सर एक ही जगह अटके रहते हैं। यह सिर्फ इनकम की बात नहीं है, बल्कि सोच की बात है। श्याम शेखर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मिडिल क्लास की तरक्की में रुकावट पैसे की कमी से ज्यादा सोच की कमी के कारण है। उन्होंने लिखा, 'वे यह सोचने से इनकार करते हैं कि उन्हें मिडिल क्लास की सोच से बाहर निकलने में क्या मदद करेगा।'

शेखर के अनुसार, मिडिल क्लास की सोच छोटी-मोटी चीजों तक ही सीमित रहती है। जैसे कि एयर कंडीशनर या कार का सपना देखना। वे बड़ी संपत्ति बनाने के बारे में नहीं सोचते। उन्होंने कहा, 'उनकी क्षमता को देखते हुए ये सपने भी बहुत छोटे हैं।' शेखर ने लोगों को कंपाउंडिंग के बारे में सोचने के लिए कहा। उन्होंने एक उदाहरण दिया। शेखर ने एक व्यक्ति को बताया कि वह आसानी से 20 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है जो 1 करोड़ रुपये तक पहुंच रहा था। यह सुनकर वह व्यक्ति हैरान रह गया।

शेखर ने ' इन्वेस्टमेंट फ्लाईव्हील ' बनाने पर जोर दिया। यह एक ऐसा सिस्टम है जो लंबे समय तक अपने आप चलता रहता है और संपत्ति को लगातार बढ़ाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि ज्यादातर लोग ऐसा सिस्टम नहीं बनाते हैं। वे दूसरों से मदद लेते हैं या गलत तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। इससे भी बुरी बात यह है कि कुछ लोग इस गलत सोच को दूसरों तक फैलाते हैं।'इन्वेस्टमेंट फ्लाईव्हील' एक ऐसा कॉन्सेप्ट है जो यह बताता है कि कैसे एक सफल निवेश या व्यावसायिक रणनीति समय के साथ खुद को तेजी से बढ़ाती और मजबूत करती है। यह 'फ्लाईव्हील' के यांत्रिक सिद्धांत से प्रेरित है, जहां एक बार जब पहिए को रफ्तार मिल जाती है तो उसे घुमाना आसान हो जाता है और वह अपनी गति बनाए रखता है और हर बार के प्रयास से उसकी गति और बढ़ती जाती है। 'इन्वेस्टमेंट फ्लाईव्हील' ऐसा चक्र है जिसमें हर एक सफलता दूसरे को जन्म देती है, जिससे लगातार बढ़ोतरी और बेहतर परिणाम मिलते रहते हैं। यह कम प्रयास से अधिक परिणाम प्राप्त करने का एक तरीका है। कारण है कि एक बार गति बनने के बाद सिस्टम खुद ही आगे बढ़ता रहता है।शेखर का कहना है कि एक मिडिल क्लास व्यक्ति को यह सीखना होगा कि मिडिल क्लास की सोच से कैसे बाहर निकलें।

चीन ने बोइंग विमानों की डिलीवरी लेने से बैन हटाया:अमेरिका के साथ ट्रेड डील के बाद फैसला

बीजिंग। चीन ने बोइंग विमानों की डिलीवरी लेने पर लगा बैन हटा दिया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने डोमेस्टिक कैरियर्स को सूचित किया कि वे अब अमेरिका निर्मित विमानों की डिलीवरी फिर से शुरू कर सकते हैं। अमेरिका-चीन की टैरिफ डील के बाद बैन हटाने का यह फैसला लिया गया। एक महीने पहले चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए थे। चीनी सरकार ने यह आदेश अमेरिका के 145% टैरिफ के जवाब में दिया था। अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स की खरीद रोकने का आदेश भी दिया था।

12 मई को जेनेवा में ट्रेड डील का ऐलान किया था अमेरिका-चीन ने 12 मई को जेनेवा में ट्रेड डील का ऐलान किया था। बताया गया कि दोनों देश 115% टैरिफ कटौती करेंगे। दोनों के बीच यह समझौता फिलहाल 90 दिनों के लिए है। अमेरिका ने चीनी सामानों पर 145% और चीन ने अमेरिकी सामानों पर 125% टैरिफ लगा रखा है। इस कटौती के बाद चीन पर अब 30% और अमेरिका पर 10% टैरिफ रह जाएगा।

बोइंग के लिए चीन एक महत्वपूर्ण बाजार कोरोना महामारी से पहले, बोइंग के लगभग एक तिहाई 737 विमान देश में डिलीवर किए जा रहे थे। बोइंग के अनुमान के अनुसार, अगले दो दशकों में, चीन ग्लोबल एयरप्लेन डिमांड का 20% हिस्सा होगा। इसका मतलब है कि चीन को... 737 मैक्स जैसे अनुमानित 6,500 सिंगल-आइल विमानों की और बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर जैसे 1,500 से अधिक ट्विन-आइल विमानों की भी जरूरत होगी।

2030 के अंत तक पुराने विमानों को बदलने और घरेलू यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लगभग 1,100 अतिरिक्त विमानों की आवश्यकता होगी।चीन को 2043 तक 8,830 नए विमानों की जरूरत होगी। डोमेस्टिक मैन्युफैक्चरर उडटअउ आगे तो बढ़ रहा है, लेकिन प्रोडक्शन कंस्ट्रेंट और वेस्टर्न कंपोनेंट (जैसे इंजन) पर निर्भरता के कारण अभी तक सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार नहीं है।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के मैक्लोडगंज स्थित मुख्य दलाई लामा मंदिर, त्सुगलागखांग में, तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की 90वीं जयंती से पहले दीघार्यु प्रार्थना समारोह के तहत भिक्षु उनकी मूर्ति ले जाते हुए।

बाबा साहब ने हमें समरसता और समता का सिद्धांत दिया, - केन्द्रीय मंत्री सिंधिया व विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर सहित राज्य के मंत्रीगण भी हुए शामिल

हमारी संस्कृति में समरसता व ज्ञान की गौरवशाली परंपरा : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति में समरसता और ज्ञान की हजारों साल पुरानी गौरवशाली परंपरा है। हमारे पूज्य संत रविदास, कबीर तथा भगवान गौतम बुद्ध से लेकर अन्य पुराने ऋषि-मुनियों एवं महापुरुषों ने समरसता की ज्योति जलाई। इसी से हमारे देश में अच्छाई-सच्चाई तथा मानवता के मूल सिद्धांतों की स्थापना हुई। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भी सामाजिक समरसता और समता का सिद्धांत दिया। साथ ही संविधान में सबको समान अधिकार प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को ग्वालियर में आयोजित "समरसता सम्मेलन" को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा खुशी की बात है कि ग्वालियर की पवित्र धरा से सामाजिक समरसता का आज नया सवेरा आया है, जिसके माध्यम से पूरे प्रदेश में सामाजिक समरसताऔरसौहार्द्र का वातावरण और मजबूत होगा।

संबोधित

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालयग्वालियरके दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित हुए "समरसता सम्मेलन" में मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर सहित अन्य अतिथियों ने संतजन एवं विभिन्न क्षेत्रों में ग्वालियर व प्रदेश का नाम रोशन कर रहीं आधा दर्जन विभूतियों को समरसता सम्मान से विभूषित किया। साथ ही सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहे समाज के आखिरी छोर पर खड़े हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। सम्मेलन में मौजूद सभी प्रतिभागियों को सामाजिक समरसता की शपथ दिलाई। इसके बाद सामूहिक भोज में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री सहित सभी अतिथियों ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर सामाजिक समरसता सम्मेलन का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समरसता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि लम्बे समय तक संगठित व आजाद रहने के लिये हमें भेदभाव को दूर रखना जरूरी है। इसीलिए हमारी संस्कृति अमीरी – गरीबी एवं ज्ञान में कोई भेदभाव नहीं करती। उन्होंने महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण व सुदामा की मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि मित्रता का यह उदाहरण पूरे विश्व में अद्वितीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी कहा हम सब देशवासियों के लिये स्वाभिमान की बात है कि भगवान गौतम बुद्ध द्वारा चलाया गया बौद्ध धर्म आज विश्व का बड़ा धर्म है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इकबाल रचित गीत की पंक्तियां "कुछ बात है हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-जमां हमारा" का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता व सदभाव की बदौलत ही हजारों वर्षों से तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमारा देश मजबूती के साथ खड़ा है।

जाति न पूछो साधु की पूछ लीजिए ज्ञान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति में सदैव से ज्ञान का जाति से कोई संबंध नहीं रहा है। उन्होंने संत कबीर के दोहे "जाति न पूछो साधु की पूछ लीजिए ज्ञान, मोल करो तलवार का पड़ी रहन दो म्यान" का उदाहरण देते हुए महान संत रविदास, त्रेतायुग के महान ज्ञानी अष्टावक्र जी एवं शंकराचार्य जी द्वारा काशी में एक साधारण मगर ज्ञानवान व्यक्ति को अपना गुरु बनाने का उल्लेख किया। उन्होंने जाति प्रथा की कुरीति पर प्रहार करते हुए कहा कि "हरि को भजे सो हरि का होई, जाति-पाति पूछे नहीं कोई"। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नेकहा कि रामानुजाचार्य जैसे संतों ने भक्ति की धारा प्रवाहित कर समाज को ज्ञान से आलोकित किया। हमेंइसी मार्ग पर चलकर देश को और ऊँचाईयों तक ले जाना होगा।

अम्बेडकर धाम के द्वितीय चरण के लिये 12 करोड़ मंजूर किए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर जिले के जौरासी में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की स्मृति में निर्मित किए जा रहे अम्बेडकर धाम के द्वितीय चरण के लिये 12 करोड़ 16 लाख 42 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। लगभग 50 हजार वर्गफुट क्षेत्र में भव्य अम्बेडकर धाम बनाया जा रहा है, जिसमें म्यूजियम, लाइब्रेरी व ऑडिटोरियम इत्यादि का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहाँ पर सामाजिक समरसता सम्मेलन भी आयोजित किया जायेगा।

प्रदेश में गैर बराबरी दूर करने के लिये हो रहे हैं सार्थक प्रयास : तोमर

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारे देश का अतीत अत्यंत गौरवशाली है। हमारे पूर्वजों ने हम सभी को एकात्मता के संस्कार दिए हैं। इन संस्कारों को याद रखेंगे तो कोई हमें तोड़ नहीं पायेगा और देश निश्चित ही विश्वगुरु बनकर रहेगा। श्री तोमर ने यह भी कहा कि "नर सेवा ही नारायण सेवा" हमारी संस्कृति का मूल मंत्र है। यह मंत्र अगर हम ध्यान में रखेंगे तो हमारा भीतरी आत्मतत्व प्रबल होगा। इससे सामाजिक समरसता भी मजबूत होगी।

शॉट न्यूज

7 जीपीएफ संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए लगेगा शिविर

भोपाल। शासकीय कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए महालेखाकार लेखा एवं हकदारी द्वितीय द्वारा 7 से 11 जुलाई तक सामान्य भविष्य निधि जागरूकता कैम्प का आयोजन यू.एन.डी.पी हॉल विंध्यांचल भवन तृतीय तल भोपाल में किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 7 से 11 जुलाई तक कार्यालयीन समय में जीपीएफ श्रेणी के अंतर्गत आने वाले शासकीय सेवकों के जी.पी.एफ से संबंधित शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी विक्रम छिरौल्या ने बताया कि आयुक्त कोष एवं लेखा के निर्देश पर कलेक्टर जिला भोपाल के मार्गदर्शन में जिन शासकीय सेवकों के जी.पी.एफ राशि में गुमशुदा कटौत्रा है।

8 स्कूली विद्यार्थियों को दस जुलाई को वितरित की जाएंगी साइकिल

भोपाल। प्रदेश के स्कूली छात्रों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 जुलाई को साईकिल का वितरण करेंगे। प्रदेश के 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मुफ्त साइकिलें वितरित की जाएंगी। यह वितरण कार्यक्रम विशेष रूप से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 6वीं और 9वीं के छात्रों के लिए आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी ष्शेयर करते हुए कहा कि, सरकारी विद्यालयों के बच्चे अत्यंत प्रतिभावान हैं। हमारी सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध है। सीमित संसाधनों में भी शासकीय स्कूलों के बच्चों ने निजी विद्यालयों से बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा 10 जुलाई को प्रदेश में 15 लाख से अधिक स्कूली विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की जाएंगी।

9 नोटिस की कार्रवाई के विरोध में इंजीनियर कर रहे आंदोलन की तैयारी

भोपाल। जल जीवन मिशन में एक हजार करोड़ रुपये की कथित कमीशनखोरी के आरोपों ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग की मंत्री संपतिया उइके पर लगे आरोपों के बाद अब विभागीय अधिकारी मामले को संभालने की कोशिश में जुट गए हैं। सूत्रों के अनुसार, मंत्री को क्लीनचिट देने के बाद अब जांच की दिशा अधिकारियों की ओर मोड़ दी गई है। विभाग के प्रमुख अभियंता को नोटिस देने के साथ-साथ 250 से अधिक उपयंत्री और सहायक यंत्रियों को भी नोटिस देने की तैयारी की जा रही है। इनमें से कई को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। इस कार्रवाई के विरोध में मध्यप्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन ने सरकार को आंदोलन की चेतावनी दी है। एसोसिएशन के संरक्षक इंजीनियर राजेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री, पीएचई मंत्री, मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर इस कार्रवाई पर आपत्ति जताई है।

भा यूनिवर्सिटी में रेकी हीलिंग, उसके स्वास्थ्य में विविध लाभ पर सेमिनार का आयोजन

संवाददाता ● भोपाल

आज भाभा यूनिवर्सिटी के भाभा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस में रेकी हीलिंग और उसके स्वास्थ्य में विविध लाभ ,इसपर एक सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया.मुख्य अतिथि श्री सुशील जी एवं श्री प्रशांत जी को आमंत्रित किया गया।कार्यक्रम को विश्व विद्यालय के भाभा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस के अधिष्ठाता डॉ उन्नति पितळे के निर्देश से हुआ उन्होंने विश्व विद्यालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री विजय कुमार पुंज की उपस्थिति में सभी का स्वागत कर आभार प्रदर्शन किया एवं विद्यार्थियों को इस विषय का महत्व जानने के लिए प्रेरित किया। अतिथि वक्ता ने इस तकनीक का विस्तृत अनुप्रयोग हर तरह से स्वास्थ्य में सुधार और बेहतर बनाने सेअपनी फिजिकल, मेंटल और स्प्रिचुअल विकास में किस तरह से उपयोग में लाई जाए उसकी जानकारी दी, उन्होंने इसका प्रयोग एक विद्यार्थी पर भी कर दिखाया। ये तकनीक बड़ी बीमारियों में बहुत ही कारगर है जो विश्व प्रसिद्ध है। श्री विजय कुमार पुंज ने भी इस विषय पर विचार व्यक्त किए। अंत में विद्यार्थीयो ने आभार प्रदर्शन कर कार्यक्रम का समापन किया।

एलटीटी-गोरखपुर-एलटीटी गोदान एक्सप्रेस का गोंडा तक

एलटीटी-गोरखपुर-एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का आजमगढ़ तक अस्थायी आधार पर विस्तार

संवाददाता ● भोपाल

रेल प्रशासन ने गोरखपुर में अधोसंरचनात्मक चल रहे निर्माण कार्य के कारण गोरखपुर जाने वाली दो ट्रेनों का गोंडा और आजमगढ़ तक अस्थायी आधार पर विस्तार करने का निर्णय लिया है। ये दोनों ट्रेनें पश्चिम मध्य रेल से भी गुजरती है। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

एलटीटी-गोरखपुर-एलटीटी गोदान एक्सप्रेस का गोंडा तक विस्तार

ट्रेन संख्या 11055 अब दिनांक 07.12.2025 तक गोंडा (गोरखपुर के बजाय) तक चलेगी।

यह ट्रेन एलटीटी से सुबह 10.55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात्रि 23.00 बजे गोंडा पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 11056 अब 07.12.2025 तक गोंडा (गोरखपुर के बजाय) से प्रस्थान करेगी।

यह ट्रेन गोंडा से भोर 03.10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 15.30 बजे एलटीटी पहुंचेगी।

एलटीटी-गोरखपुर-एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस को आजमगढ़ तक अस्थायी आधार पर विस्तार

ट्रेन संख्या 20103 अब 05.12.2025 तक (गोरखपुर के बजाय) आजमगढ़ तक चलेगी।

ट्रेन एलटीटी से प्रातः 05.23 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 15.15 बजे आजमगढ़ पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 20104 अब दिनांक 06.12.2025 तक (गोरखपुर के बजाय) आजमगढ़ से प्रस्थान करेगी।

ट्रेन आजमगढ़ से शाम 18.50 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन भोर 04.35 बजे एलटीटी पहुंचेगी।

विस्तृत समय और ठहराव के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर देखें या NTES ऐप डाउनलोड करें।

कई नदी-नाले उफान पर, अगले 4 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

प्रदेश के 21 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में पिछले एक सप्ताह से भारी बारिश का दौर चल रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव होने की वजह से ऐसा ही मौसम आगे भी बना रहेगा। प्रदेश के पूर्वी हिस्से जैसे जबलपुर, सागर, शहडोल और रीवा संभाग में सबसे ज्यादा खतरा है। शनिवार को शिवपुरी, शहडोल, नरसिंहपुर, श्योपुर में कई गांव और शहर जलमग्न हो गए। नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर बही तो उमरिया के जौहिला डैम के गेट खोलने पड़े। रविवार को 21 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। दोपहर में जबलपुर के बरगी बांध के गेट खोले जाएंगे। 5000 क्यूमेक जल निकासी होगी, जिससे नर्मदा के घाटों पर 4 से 5 फीट पानी की बढ़ोतरी हो सकती है।

खतरा

आज इन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट – मौसम विभाग के अनुसार, जबलपुर, सागर, दमोह, सिवनी, मंडला, डिंडौरी और बालाघाट में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। अगले 24 घंटे में 8 इंच तक पानी गिर सकता है। शिवपुरी, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, कटनी, मैहर, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर में भारी बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में भी बारिश का दौर बना रहेगा। मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि प्रदेश में बारिश के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हैं। इनमें दो ट्रफ और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम है। इस वजह से अगले चार दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। यह सीजन का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम है।

34 से ज्यादा जिलों में बाढ़ के हालात – मध्यप्रदेश में शनिवार को तेज बारिश का दौर जारी रहा। भोपाल, सीधी, उमरिया, जबलपुर, सागर, नरसिंहपुर, शिवपुरी, शहडोल, इंदौर, मैहर, शाजापुर, धार, श्योपुर, रायसेन, छिंदवाड़ा, डिंडौरी, उज्जैन, देवास, सीहोर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, मऊगंज, रीवा, सतना, मंडला, रतलाम, दमोह, छतरपुर, सिवनी, बालाघाट, बैतूल, गुना, खरगोन में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को सीधी में 2 इंच, सागर में पौने 2 इंच, रीवा-सतना में 1 इंच, मंडला में पौन इंच, भोपाल, उज्जैन, शाजापुर, रायसेन, रतलाम, छिंदवाड़ा-नरसिंहपुर में आधा इंच बारिश हुई। वहीं, अन्य जिलों में हल्की बारिश हुई।

आईसीएसआई भोपाल चैप्टर में 5 को जीएसटी दिवस मनाया

संवाददाता ● भोपाल

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) भोपाल चैप्टर ने 05 जुलाई 2025 को जीएसटी दिवस के अवसर पर एक व्यापक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य पेशेवरों को जीएसटी के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। यह आयोजन आईसीएसआई भोपाल चैप्टर में आयोजित किया गया।

इस सत्र में दो प्रमुख फैकल्टीज ने अपनी उपस्थिति से इसे सराहा

सीएस अरविन्द तिवारी, एक अनुभवी कंपनी सचिव, जो जीएसटी में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध हैं जिन्होंने विषय में गहरी जानकारी साझा की। सीए कार्तिक चावला, एक चार्टर्ड एकाउंटेंट, एक प्रमुख वित्तीय और कराधान विशेषज्ञ हैं इस सत्र में वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें हाल ही में हुए संशोधन, व्यावहारिक पहलू, पेशेवरों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ और प्रभावी अनुपालन रणनीतियाँ शामिल थीं। दोनों शिक्षकों ने मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान किए, जिससे जटिल जीएसटी प्रावधानों को उपस्थित लोगों के लिए समझना सरल हो गया। कार्यक्रम को आईसीएसआई समुदाय के सदस्यों सी एस पी के राय, सी एस मनीष पाटीदार, सी एस नेहा हरचंदनी, सी एस भूपेंद्र सिंह चौहान एवम सी एस आकाश गुप्ता से अत्यधिक समर्थन प्राप्त हुआ, जिससे यह सिद्ध हुआ कि कराधान और कानून के क्षेत्र में निरंतर शिक्षा की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है। आईसीएसआई भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष, सी एस अमन जैन, ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और शिक्षकों का आभार भोपाल चैप्टर के सचिव, सी एस अंकुर चौकसे द्वारा व्यक्त किया गया, जिनके योगदान से यह सत्र समृद्ध और जानकारीपूर्ण बना। भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष ने इस तरह के और कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया है ताकि सदयो कानूनों और नियमों में हो रहे नवीनतम परिवर्तनों से अपडेट रहें। आईसीएसआई भोपाल चैप्टर के सचिव सी एस अंकुर चौकसे ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को उनके सक्रिय योगदान और सहभागिता के लिए भी धन्यवाद दिया, जिससे इस जीएसटी दिवस कार्यक्रम को एक बड़ी सफलता मिली। यह जानकारी भोपाल चैप्टर की अध्यक्ष, सीएस अमन जैन, द्वारा दी गयी।

शहडोल में स्कूल मरम्मत घोटाला

शिक्षा मंत्री ने दिए जांच के आदेश, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में सरकारी स्कूलों की मरम्मत के नाम पर भारी गड़बड़ी सामने आने के बाद स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार में किसी भी तरह की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि उनके संज्ञान में शहडोल के ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के दो सरकारी स्कूलों सकंदी हाई स्कूल और निपनिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मेंटेनेंस के नाम पर फर्जीवाड़ा सामने आया है। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव और लोक शिक्षण आयुक्त को तत्काल जांच करने के निर्देश दिए हैं।

ये है मामला – ब्यौहारी जनपद की इन दोनों शालाओं में अनुरक्षण कार्य जैसे पुताई और खिड़की-दरवाजों की फिटिंग के लिए सैकड़ों मजदूरों और मिस्त्रियों को कार्यरत दिखाकर लाखों रुपये का भुगतान कर लिया गया। सकंदी हाई स्कूल में केवल 4 लीटर पेंट के लिए 168 मजदूर और 65 मिस्त्री दिखाए गए और 1,06,984 का भुगतान कर दिया गया। वहीं निपनिया स्कूल में 20 लीटर पेंटिंग, 10 खिड़कियां और 4 दरवाजे लगाने के लिए 275 मजदूर और 150 मिस्त्री दिखाकर 2,31,685 की राशि स्वीकृत की गई।

ट्रांसफर याचिकाओं के निपटारे तक 27% आरक्षण नहीं

ओबीसी आरक्षण पर सरकार का सुप्रीम कोर्ट में जवाब

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट कर दिया कि जब तक ओबीसी आरक्षण से जुड़ी ट्रांसफर याचिकाओं पर अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) को 27% आरक्षण लागू नहीं किया जाएगा। शासन की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को जानकारी दी कि भले ही इस कानून पर रोक नहीं है, लेकिन संबंधित याचिकाओं पर फैसला लंबित होने के कारण सरकार फिलहाल इसे लागू नहीं कर सकती। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर. महादेवन की खंडपीठ ने सरकार के इस जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए इसे छत्तीसगढ़ के समान मामले के साथ जोड़कर सुनवाई की व्यवस्था की है।

मांग

यह याचिका जबलपुर निवासी कीर्ति चौकसे, बालाघाट के निश्चय सोन वर्षे सहित अन्य ने दायर की है। उन्होंने बताया कि वे ओबीसी वर्ग से हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित होने के बावजूद आरक्षण का लाभ न मिलने के कारण नियुक्ति से वंचित हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने तर्क रखा कि सरकार ने 8 मार्च 2019 को अध्यादेश लाकर ओबीसी को 27% आरक्षण देने का फैसला लिया था और 14 अगस्त 2019 को इसे कानून का रूप दे दिया गया। इस कानून पर किसी भी न्यायालय ने रोक नहीं लगाई है, बावजूद इसके सरकार इसे लागू नहीं कर रही है। याचिका में यह भी कहा गया कि छत्तीसगढ़ में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश के तहत 50% से अधिक आरक्षण को लागू करने की अनुमति दी है। समानता के आधार पर मध्य प्रदेश में भी 27% आरक्षण लागू किया जाना चाहिए। सरकार ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा कि चूंकि मध्य प्रदेश के मामले पहले से सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं, अतः फिलहाल ऐसा नहीं किया जा सकता। वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने कहा कि 2019 का कानून पूरी तरह प्रभावी है और इस पर किसी भी कोर्ट ने स्टे नहीं दिया है। यदि सरकार चाहे, तो इसे आज भी लागू कर सकती है, लेकिन उसने निर्णय से बचते हुए मामला सुप्रीम कोर्ट के हवाले कर दिया है।

अब तक कब क्या हुआ

8 मार्च 2019 : कांग्रेस सरकार ने अध्यादेश लाकर 27% आरक्षण की घोषणा की।

14 अगस्त 2019: विधानसभा ने कानून पारित किया, अध्यादेश की जगह एक्ट ने ले ली। कानून के समर्थन में 35 और विरोध में 63 याचिकाएं दाखिल हुईं।

अक्टूबर 2019: कमलनाथ सरकार ने कोर्ट में पक्ष रखा, जिसे भाजपा सरकार ने भी जारी रखा।

18 दिसंबर 2024: हाईकोर्ट में पहली सुनवाई हुई, लेकिन मामला सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर हो गया।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...

जब हिंदी बोलने में फंसीं जाह्नवी कपूर

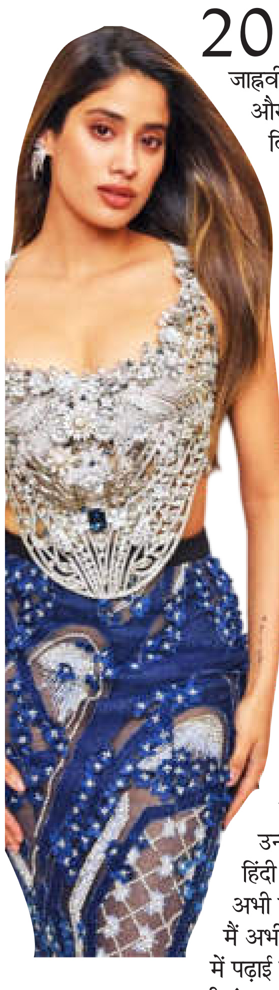

2012 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जाह्नवी कपूर अपनी मां और बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस श्रीदेवी के साथ मौजूद थीं ये वो समय था जब जाह्नवी कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम नहीं रखा था और स्कूल में पढ़ाई कर रही थीं। इवेंट के दौरान एक पत्रकार ने जाह्नवी से हिंदी में बात करने को कहा, लेकिन वो हिंदी भाषा को लेकर थोड़ी असहज नजर आईं। उन्होंने कहा, हिंदी में ? मुझे अभी पता नहीं, मैं अभी स्कूल में पढ़ाई कर रही हूं। उनका ये कमेंट कैमरे में कैद हो गया और अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर दोबारा वायरल हो रहा है।

जाह्नवी जैसे ही हिंदी में हिचकिचाने लगीं, श्रीदेवी ने तुरंत माइक लिया और मुस्कुराते हुए कहा- प्लीज इसे हिंदी में बात मत करने दो, क्योंकि मैं इसका मजाक उड़ाती हूं। उन्होंने मजाकिया लहजे में जाह्नवी की हिंदी बोलने की नकल की, जिससे पूरा माहौल खुशनुमा हो गया। ये पल दिखाता है कि श्रीदेवी न सिर्फ एक सशक्त कलाकार थीं, बल्कि एक हंसी-मजाक पसंद करने वाली मां भी थीं।

जाह्नवी कपूर मशहूर निर्माता बोनी कपूर और दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी हैं। उनकी बहन खुशी कपूर भी अब एक्टिंग में कदम रख चुकी हैं। श्रीदेवी की अचानक 2018 में मौत हो गई थी, जब जाह्नवी की पहली फिल्म 'धड़क' रिलीज होने वाली थी।

मां से तुलना पर जाह्नवी का जवाब

एक इंटरव्यू में जब जाह्नवी से उनकी मां से तुलना पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- मैं उनकी बेटी हूं, तो जाहिर है कि मैं उनसे मिलती-जुलती दिखूंगी। लेकिन मेरी मां ने जो मुकाम पाया, वो किसी और के लिए पाना बहुत मुश्किल है। मैं चाहती हूं कि मैं भी उनके फैंस को अपनी मेहनत से खुश कर सकूं। ये बयान बताता है कि जाह्नवी अपनी पहचान खुद बनाना चाहती हैं, जबकि वो अपनी मां की विरासत को भी आदर देती हैं।

प्रियंका को कहा था 'यह पतली और काली है'

प्रियंका चोपड़ा आज ग्लोबल आइकॉन हैं, लेकिन अपने शुरुआती करियर में वह कई बार अपने रंग के चलते जज की गई हैं। उन्होंने कई बार रिवील किया है कि उन्हें अपने फिजिकल अपीयरेंस के लिए ताने मिल चुके हैं। हाल ही में उनकी एक को-स्टार ने भी बताया है कि जब उन्होंने प्रियंका को पहली बार देखा था तो उन्होंने क्या सोचा। प्रियंका चोपड़ा ने साल 2003 में सनी देओल स्टारर फिल्म 'द हीरो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यूं तो उनकी अदाकारी दमदार थी, लेकिन फिजिकल अपीयरेंस के लिए उन्हें जजमेंट का सामना करना पड़ा। 'किस्मत' में प्रियंका के साथ काम कर चुकीं स्मिता जयकर ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि प्रियंका को देख उन्होंने सोचा था कि कैसे-कैसे लोग हीरोइन बनने आ जाते हैं। प्रियंका चोपड़ा से अपनी पहली मुलाकात के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने प्रियंका के साथ उनके शुरुआती दिनों की फिल्म किस्मत में काम किया था। वह बहुत दुबली-पतली और सांवली थीं। मुझे और मोहन जोशी को बताया गया कि वह हमारी बेटी का किरदार निभाएंगी। जब मैंने उन्हें देखा तो मैंने कहा, 'हे भगवान'। उस समय वह बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती थी। मैंने सोचा कि ये लोग हीरोइन कैसे बन जाते हैं।' स्मिता जयकर ने प्रियंका चोपड़ा को बाद में देखा तो उन्हें अपने जजमेंट का पछतावा हुआ। उन्होंने इस बारे में कहा, 'प्रियंका चोपड़ा वाह थीं। मैंने सोचा, इस लड़की ने क्या कर दिया? वह पूरी तरह से डीवा बन गई। इसलिए आप किसी को जज नहीं कर सकते और ना ही कह सकते हैं, 'यार, यह किसको लेकर आए हो'। कुछ मालूम नहीं किसकी किस्मत कब बदल जाए। क्या एक्ट्रेस है, शानदार।

बीवी को खुश रखना हो तो जब अमिताभ ने कपिल शर्मा को दिया 'गुरु मंत्र

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा अपने शो पर आने वाले मेहमानों के साथ जमकर मस्ती मजाक करते हैं और उनसे कुछ ऐसे सवाल भी पूछ लेते हैं, जिनका जवाब मजेदार होता है। एक बार कपिल ने हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन से भी मजेदार और दिलचस्प सवाल कर लिया था हालांकि तब कपिल के शो पर बिग बी नहीं थे, बल्कि कपिल बिग बी के शो पर थे। अमिताभ बच्चन, कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में शिरकत कर चुके हैं वहीं कपिल शर्मा भी एक बार 'कौन बनेगा करोड़पति' में शामिल हुए थे। तब कपिल ने अमिताभ बच्चन से सवाल किया था कि बीवी को खुश कैसे रखा जाए ? इस पर बिग बी ने कॉमेडियन को एक जबरदस्त गुरु मंत्र दिया था। कपिल के मजेदार सवाल का अमिताभ बच्चन ने जबरदस्त जवाब दिया था उन्होंने कहा था, "मैं आपको एक परमानेंट गुरु मंत्र बताता हूं इसे कभी मत भूलिएगा। न इस शब्द को भूलना, न इस मंत्र को और उस शब्द का नाम है 'सॉरी'। पत्नी कुछ भी बोले, उससे पहले ही आप सॉरी बोल दीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। ये इतना मजबूत शब्द है मैं आपको बता नहीं सकता हूं। सॉरी बोलने से आपके सारे दुख, दर्द दूर हो जाएंगे।

आलिया भट्ट को 1200 करोड़ छापने वाला सुपरस्टार ने तीन बार ठुकराया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी अपकमिंग फिल्मों की तैयारियों में बिजी हैं। यूं तो अपनी एक्टिंग और सफलता के चलते काफी डिमांड में हैं पर एक्ट्रेस का पूरा फोकस इस समय आने वाली फिल्मों पर हैं। जल्द YRF स्पाई यूनिवर्स की ALPHA में दिखेंगी जिसके लिए फैन्स भी काफी एक्साइटेड हैं। वैसे तो आलिया भट्ट ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। इसी बीच आलिया साउथ के एक बड़े एक्टर को लेकर चर्चा में हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने तीन बार उनके अपोजिट ऑफर हुई फिल्म को ठुकराया दिया। आलिया भट्ट को साल 2022 में एसएस राजामौली की फिल्म में देखा गया था। RRR में एक्ट्रेस का कैमियो था, जहां वो राम चरण के साथ दिखी थीं। हालांकि, फिर ऐसे चर्चे हैं कि वो फहाद फाजिल के साथ काम करती नजर आएंगी। ऐसी चर्चा है कि एक्ट्रेस को उनके अपोजिट तीन बार काम करने का ऑफर मिला था। पर वो मना करती चली गईं। हालांकि, इसके पीछे वजह पर्सनल नहीं, प्रोफेशनल है।

अनुष्का को कैमरे में रिकॉर्ड करने पर चिढ़ गए पति विराट

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा पिछले काफी समय से लंदन शिफ्ट होने का प्लान कर रहे हैं। कपल ने मुंबई की चकाचौंध और कैमरे की निगाहों से खुद को दूर रखकर एक शांत जीवन जीना चुना है, लेकिन ऐसा लगता है कि स्पॉटलाइट उनका पीछा नहीं छोड़ती। हाल ही में कपल लंदन में क्वालिटी टाइम बिता रहे थे जहां कोई फिर से उन्हें अपने कैमरे में कैद करने की कोशिश करने लगा। सोशल माडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें विराट और अनुष्का लंदन की सड़कों पर हाथ में हाथ डाले घूम रहे हैं जबकि पीछे से कोई उन्हें रिकॉर्ड कर रहा है। इतने में विराट पीछे घूमते हैं और रिकॉर्ड करने वाले शख्स को घूरते हैं। ऐसा लग रहा था वो चाहते हैं कि वह उनका वीडियो रिकॉर्ड न करे। कोहली और अनुष्का शर्मा का एक और वीडियो ऑनलाइन सामने आया जिसमें वे शहर में घूमते हुए नजर आए। दोनों को लंदन में एक बेकरी के बाहर बैठे देखा गया। वे अपने बच्चों - वामिका और अकाय के बिना देखे गए। विराट और कोहली और अनुष्का ने साल 2017 में शादी की थी। दोनों के दो बच्चे वामिका और अकाय हैं। दूसरे बेबी के जन्म के बाद कपल ने लंदन शिफ्ट होने का मूड बनाया। दोनों ने स्टारडम से दूर नॉर्मल लाइफ जीने के लिए ऐसा निर्णय लिया।

किस फिल्म में नजर आएंगी अनुष्का ?

वर्कफ्रंट की बात करें तो को आखिरी बार साल 2018 में फिल्म जीरो में देखा गया था जिसके बाद से उन्होंने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और कैटरीना कैफ नजर आए थे। इसके अलावा अनुष्का ने क्रिकेट के दिग्गज झूलन गोस्वामी के जीवन पर आधारित एक बायोग्राफी फिल् में भी काम कर चुकी हैं जिसका नाम चकदा एक्सप्रेस है। इस फिल्म के रिलीज के बाद अनुष्का की बड़े पर्दे पर लंबे समय बाद वापसी होगी।

कैमरों से बचते-बचाते क्लीनिक पहुंचीं कियारा

मुंबई के बांद्रा इलाके में कियारा और सिद्धार्थ को एक क्लीनिक के बाहर देखा गया, जहां दोनों मीडिया से बचते हुए नजर आए। खास बात यह रही कि कियारा ने अपना बेबी बंप छिपाने की पूरी कोशिश की। रेड शर्ट और मास्क पहने कियारा काफी सिंपल लुक में दिखीं, लेकिन उनके चेहरे की चमक और बॉडी लैंग्वेज ने फैंस को बहुत कुछ कह दिया। पैपराजी ने जैसे ही उन्हें देखा, तो कियारा ने तुरंत छाते की आड़ लेकर कैमरों से खुद को बचाने की कोशिश की। वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा लगातार उनकी प्रोटेक्शन में लगे रहे और दोनों बिना किसी पोज दिए जल्दी से गाड़ी में बैठकर निकल गए। कियारा और सिद्धार्थ ने फरवरी 2023 में शादी की थी। शादी के बाद से ही फैंस को इस कपल से गुड न्यूज़ का इंतजार था और अब जब वो समय नजदीक आ रहा है, तो फैंस बेहद एक्साइटेड हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कियारा की ड्यू डेट अक्टूबर और नवंबर 2025 के बीच की है। कियारा इन दिनों एक्टिंग से ब्रेक पर हैं ताकि वो अपनी प्रेग्नेंसी को पूरी तरह से एंजॉय कर सकें। वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा अगस्त से अपनी अगली फिल्म 'वीवन' की शूटिंग फिर से शुरू करने वाले हैं। ऐसे में ये दोनों सितारे फिलहाल परिवार और नए मेहमान की तैयारी में बिजी हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो कियारा के पास प्रोजेक्ट्स की कोई कमी नहीं है। वो जल्द ही ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ 'वॉर 2' में नजर आएंगी, जो 14 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा वो यश के साथ अपनी पहली कन्नड़ फिल्म 'टॉक्सिक' में दिखेंगी, जिसका निर्देशन गीतू मोहनदास कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, कियारा को मीना कुमारी की बायोपिक के लिए भी अप्रोच किया गया है। हालांकि, फिल्म की स्क्रिप्ट अभी तैयार हुई है और कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। मीना कुमारी के बेटे तजदार अमरोही ने इस बात की पुष्टि की है कि कियारा को अभी साइन नहीं किया गया है, लेकिन संभावना है कि वो इस रोल को निभा सकती हैं। कुल मिलाकर, फैंस अब बेसब्री से इस स्टार कपल के घर आने वाले नन्हे मेहमान का इंतजार कर रहे हैं। 'शेरशाह' की इस जोड़ी की रियल लाइफ स्टोरी अब और भी खूबसूरत बनने जा रही है।

रवि दुबे को 'लक्ष्मण' के किरदार में देख भावुक हुईं सरगुन मेहता

नितीश तिवारी की 'रामायण' की जब से पहली झलक सामने आई है। लोग इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'आदिपुरुष' की असफलता के बाद, प्रशंसकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। इस फिल्म में राम के किरदार में रणबीर कपूर और सीता के किरदार में साई पल्लवी नजर आने वाली हैं। वहीं, 'रामायण' में लक्ष्मण कौन बनेगा इसका भी खुलासा हो गया है। सरगुन मेहता ने कंफर्म कर दिया है कि उनके पति रवि दुबे रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर 'रामायण' में 'लक्ष्मण' का किरदार निभाने वाले हैं। नितीश तिवारी की मोस्ट अवेटेड महाकाव्य 'रामायण' में लक्ष्मण की भूमिका में रवि दुबे को देख सरगुन मेहता इमोशनल हो गई और उन्होंने एक्टर की तारीफ करते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी कई सारे पोस्ट शेयर किए। इतना ही नहीं अपनी खुशी जाहिर करने के लिए स्पेशल नोट भी लिखा। फिल्म 'रामायण' का टीजर 4 जून को रिलीज हुआ जो सभी को बहुत पसंद आ रहा है और यह किसी विजुअल ट्रीट से कम नहीं है। प्रशंसक टीजर से काफी खुश लग रहे हैं और कुछ ने तो इस फिल्म को हिट बता दिया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में नजर आएंगे जबकि यश रावण की भूमिका में हैं। फिल्म में सनी देओल, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह भी हैं। वहीं, अब सोशल मीडिया पर सरगुन मेहता के पोस्ट के बाद लक्ष्मण बने रवि दुबे भी चर्चा में बने हुए हैं। टीवी के टॉप एक्टर और प्रोड्यूसर रवि दुबे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। रवि की पत्नी सरगुन मेहता ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें अपने पति पर गर्व है कि वे इतने बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। उन्होंने लिखा, '2026 की दिवाली का इंतजार, मेरी जिंदगी का सबसे लंबा इंतजार होगा। मेरा दिल खुशी से भरा हुआ है। जब भी मैं टीजर देखती हूं, पोस्टर पर नाम पढ़ती हूं तो मेरा दिल प्यार और कृतज्ञता से भर जाता है।

हार के डर से गिल के आगे गिड़गिड़ाने लगा अंग्रेज, ब्रूक ने मांगी रहम की भीख!

एजेंसी ● बर्मिंघम

इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने अपना शिकंजा कस लिया है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 180 रनों की बढ़त लेकर इंग्लैंड को 608 रनों का टारगेट दिया। मुकाबले में टीम इंडिया के लिए कप्तान शुभमन गिल ने दोनों पारियों में अपनी शानदार बल्लेबाजी से धूम मचाए। पहली पारी में उन्होंने 269 रनों की पारी खेली जबकि दूसरी पारी में वह 161 रन बनाकर आउट हुए। गिल की इस विध्वंसक बैटिंग को देख इंग्लैंड के खिलाड़ी हैरान-परेशान दिखे।

खास तौर से दूसरी पारी जब शुभमन गिल बैटिंग कर रहे थे तो हैरी ब्रूक की घबराहट साफ दिखाई दी, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल खेल के चौथे दिन जब भारत की बढ़त 450 रन के करीब पहुंच रही थी तो ब्रूक ने गिल को पारी घोषित करने के लिए मनाने की कोशिश की और सुझाव दिया कि रविवार को आधे दिन बारिश का पूर्वानुमान है। उनकी ये बातचीत स्टंप माइक में कैद हो गई।वायरल वीडियो में ब्रूक को यह कहते हुए सुना गया, '450 पर घोषित कर दो। कल बारिश हो रही है। आधा दिन, दोपहर में, बारिश हो रही है।' इसके जवाब में गिल ने कहा, 'हमारे लिए ये बैड लक है।' इसके बाद ब्रूक ने फिर शुभमन गिल से कहा, 'ड्रॉ ले लो'। हालांकि, जब टीम इंडिया की बढ़त 600 रन के पार पहुंची को कप्तान शुभमन गिल ने 427 रन के स्कोर पर अपनी पारी को घोषित किया।

शुभमन गिल के पारी घोषित करने के बाद भी इंग्लैंड की मुश्किलें कम नहीं हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम को आकाशदीप और मोहम्मद सिराज अपनी घातक गेंदबाजी से झकझोर कर रख दिया। दोनों ने मिलकर नई गेंद की चौथे दिन की समाप्ति तक 77 रन के स्कोर पर तीन विकेट झटके, जिससे मेजबान टीम की हालत और खराब हो गई।

बांग्लादेश ने किया जबरदस्त पलटवार, तनवीर इस्लाम के पंजे में फंसी श्रीलंका, 16 रन से जीता मैच

एजेंसी ● कोलंबो

तनवीर इस्लाम की घातक गेंदबाजी और परवेज हुसैन एमोन के बेहतरीन फिफ्टी से बांग्लादेश ने दूसरे वनडे में श्रीलंका को 16 रन से हरा दिया। मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.5 ओवर में 248 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में मेजबान श्रीलंकाई टीम 48.5 ओवर में 232 रन बनाकर सिमट गई। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश की टीम ने दमदार वापसी करते हुए सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया। ऐसे में तीन मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला अब निर्णायक हो गया है। तीसरा वनडे मैच में मंगलवार को पल्लेकेले में खेला जाएगा।

बल्लेबाजी में बांग्लादेशी टीम की शुरूआत कुछ खास नहीं रही थी। टीम ने अपना पहला विकेट सिर्फ 10 रन के स्कोर पर गंवा दिया। तंजीद हसन के रूप में बांग्लादेश को पहला झटका लगा था। हालांकि, इसके बाद एमोन और नजमुल हुसैन शांतो ने शुरूआती विकेट के दूसरे विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी की। शांतो श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका द्वारा 14 रन पर आउट हो गए, लेकिन एमोन ने 69 गेंदों में 67 रन बनाए। एमोन की इस अर्धशतकीय पारी के कारण बांग्लादेश की टीम 200 रन के स्कोर को पार करने में सफल रही। एमोन के अलावा तौहीद हृदय ने भी बैटिंग में अहम भूमिका निभाई। हृदय ने 69 गेंदों में 51 रन बनाए, जिसमें दो चौके शामिल थे। इसके अलावा बांग्लादेश की तरफ से तजीम हसन साकिब ने 21 गेंदों में 33 रनों का योगदान जबकि जकर अली ने 24 और शमीम हुसैन ने 22 रन बनाए। बॉलिंग में श्रीलंका की तरफ से फर्नांडो ने 35 रन देकर 4 विकेट लिए और हसरंगा के खाते में 3 विकेट आया।

249 रनों का पीछा करते हुए, श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका एक बार फिर असफल रहे और साकिब द्वारा 5 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। निसांका टेस्ट सीरीज में दो शतकों के साथ शानदार फॉर्म में थे, लेकिन पहले वनडे में वह शून्य पर आउट हो गए थे।हालांकि, कुसल मेंडिस और निशान मदुष्का ने दूसरे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की। इस दौरान मेंडिस ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना 34वां वनडे अर्धशतक पूरा किया जो इस मैदान पर सबसे तेज है। उन्होंने आठवें ओवर में स्पिनर तनवीर के 17 रन बनाए। इसके अगले ओवर में उन्होंने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को लगातार चार चौके लगाए। तनवीर अपने अगले ओवर में मजबूत वापसी करते हुए मदुष्का को हृदय के हाथों कैच आउट करवाया।

आकाश दीप ने दिन खत्म होने से पहले उड़ाए डंडे... टीम इंडिया की जीत चौथे दिन हो चुकी है तय

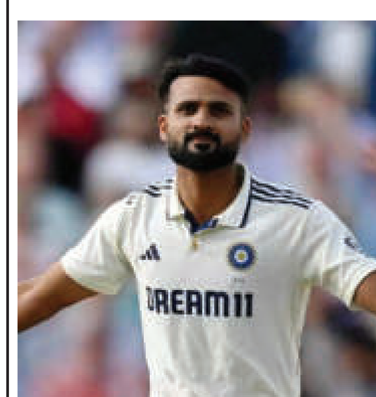

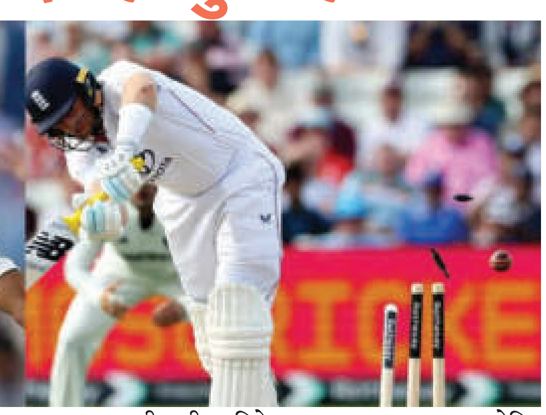

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम ने एजबेस्टन टेस्ट पर मजबूत पकड़ बना ली है। सीरीज के दूसरे मैच में भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रन का लक्ष्य दिया है। लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन शनिवार को खेल की समाप्ति तक इंग्लैंड ने 72 रन पर तीन विकेट गंवा दिए हैं। ओली पोप 24 और हैरी ब्रूक 15 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।मैच जीतने के लिए 608 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरूआत बेहद खराब रही। उसने अपने शुरूआती तीन विकेट 50 के स्कोर पर गंवा दिए। जैक क्रॉउली शून्य, बेन डकेट 25 और जो रूट 6 रन बनाकर आउट हुए। डकेट और रूट को आकाश दीप ने बोल्ड किया जबकि क्रॉउली सिराज का शिकार बने।इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 427 रन बनाकर घोषित की। कप्तान शुभमन गिल ने दूसरी पारी में भी शानदार 161 रन की पारी खेली। 162 गेंद पर खेली गई इस पारी में गिल ने आठ छक्के और 13 चौके लगाए।रविंद्र जडेजा 118 गेंद पर एक छक्के और 5 चौके की मदद से 69 रन बनाकर नाबाद रहे। गिल के साथ जडेजा ने पांचवें विकेट के लिए 175 रन की साझेदारी की। इसके अलावा ऋषभ पंत ने 58 गेंद पर तीन छक्के और आठ चौके की मदद से 65 रन बनाए। केएल राहुल ने भी 84 गेंद पर 10 चौके की मदद से 55 रन बनाए थे।भारतीय टीम ने पहली पारी में गिल के 269, जडेजा के 89 और जायसवाल के 87 रन की पारी की बदौलत 587 रन बनाए थे। सिराज के 6 और आकाश दीप के चार विकेट के दम पर भारत ने इंग्लैंड की पहली पारी 407 पर समेट 180 रन की लीड ली थी।

विजेता भारत के नीरज चोपड़ा (बीच में), उपविजेता केन्या के जूलियस येगो (बाएं) और दूसरे उपविजेता श्रीलंका के रुमेश पथिरेज कर्नाटक के बेंगलुरु में कांतीरवा स्टेडियम में नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता के प्रस्तुति समारोह के दौरान तस्वीरों के लिए पोज देते हुए।

शुभमन गिल के अंदाज में जश्न, कौन हैं विहान मल्होत्रा जिसने वैभव के साथ मिलकर इंग्लैंड की बजाई बैंड

एजेंसी ● नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे यूथ वनडे मैच में भारत के जूनियर टीम के खिलाड़ियों ने धूम मचा दी। टीम इंडिया के लिए वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 52 में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। हर तरफ वैभव की चर्चा हो रही है, लेकिन वैभव के साथ ही 18 साल के विहान मल्होत्रा ने भी अंग्रेजों की जमकर बैंड बजाई। विहान ने टीम इंडिया के लिए 121 गेंद में 129 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 15 चौके और 3 छक्के भी लगाए। विहान ने 110 गेंदों में शतक पूरा किया था।

विहान और वैभव सूर्यवंशी की शतकीय पारी के दम पर टीम इंडिया ने निर्धारित 50 ओवर के खेल में 9 विकेट के नुकसान पर 363 रन का स्कोर खड़ा किया था। विहान के साथ वैभव सूर्यवंशी ने 78 गेंद में 13 छक्के और 10 चौके की मदद से 143 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इसके बाद गेंदबाजों के कमाल से टीम इंडिया ने मैच को 55 रन से जीतकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली।

विहान मल्होत्रा का जन्म 1 जनवरी 2007 को पटियाला में हुआ था। वह पंजाब के लिए जूनियर क्रिकेट खेलते हैं। बाएं हाथ का यह खिलाड़ी मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हैं। बैटिंग के अलावा विहान टीम के लिए पार्ट टाइमर गेंदबाज भी हैं। जूनियर क्रिकेट में विहान पंजाब की अंडर-16 टीम के लिए खेल चुके हैं। लगातार दमदार खेल के कारण ही उन्हें अब भारत की अंडर-19 टीम में भी चुना गया है।वहीं इंग्लैंड पर यूथ वनडे सीरीज में उनके प्रदर्शन की बात करें तो शानदार रहा है। अब तक खेले गए चार मैचों में उन्होंने 60.50 के औसत से कुल 242 रन बनाए हैं। बता दें कि विहान को जूनियर शुभमन गिल भी कहा जाता है, जिसकी झलक उनकी बल्लेबाजी के साथ-साथ जश्न मनाने के तरीके में भी दिखती है। शतक लगाने के बाद विहान ने शुभमन के अंदाज में जश्न मनाया था।

डोनाल्ड ट्रंप की बहू की होगी दूसरी शादी? इस महान खिलाड़ी को कर रही हैं डेट, 10,000 करोड़ का है नेटवर्थ

एजेंसी ● नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भला कौन नहीं जानता है। बिजनेस हो या फिर पॉलिटिक्स या पर्सनल लाइफ ट्रंप किसी ना किसी वजह चर्चा में रहते ही हैं। ट्रंप को लेकर पॉलिटिक्स की खबरें तो आपने खूब सुनी और पढ़ी होगी, लेकिन एक खबर उनकी फैमिली से जुड़ी हुई निकल कर सामने आ रही है जिससे सनसनी मच गई है। ये खबर है डोनाल्ड ट्रंप की बहु वैनेसा ट्रम्प की। वैनेसा डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की एक्स वाइफ हैं। वैनेसे और डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की शादी साल 2005 में हुई थी, लेकिन 13 साल बाद दोनों का 2018 में तलाक हो गया।

वहीं अब वैनेसा दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स के साथ रिलेशनशिप में हैं और जल्द ही 47 साल की उम्र में वह वुड्स से शादी करने वाली हैं। इसी साल मार्च में पहली बार ये खबर आई थी कि टाइगर वुड्स और वैनेसा ट्रम्प एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। वैनेसा और टाइगर वुड्स ने दुनिया की नजरों से छिप कर 2024 में एक दूसरे को डेट करना शुरू किया था, सेकिन जल्दी इसके बारे में सबको पता चल गया।

मॉडलिंग और एक्टिंग कर चुकी हैं वैनेसा

बता दें कि वैनेसा डोनाल्ड ट्रंप जूनियर के साथ शादी से पहले भी काफी मशहूर थीं। खास तौर से उन्होंने मॉडलिंग में खूब नाम कमाया। उन्होंने 20 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। इसके अलावा हॉलीवुड के मशहूर एक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो को भी डेट कर चुकी हैं। वैनेसा ने साल 2003 में आई फिल्म 'समथिंग्स गोटा गिव' के एक दृश्य में भी दिखाई दीं थीं। इसके अलावा 2011 में वह अपने ससुर डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा होस्ट किए गए 'द अपरेंटिस' के एक एपिसोड में दिखाई दीं थी।

कुत्ते ने काटा, नहीं लगवाई एंटी-रेबीज की वैक्सीन... कबड्डी खिलाड़ी की दर्दनाक मौत

बुलंदशहरः उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक दुखद घटना घटी। राज्य स्तरीय कबड्डी खिलाड़ी बृजेश सोलंकी की संदिग्ध रेबीज से मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब उन्होंने लगभग दो महीने पहले एक नाले से एक आवारा पिल्ले को बचाया था और उन्हें मामूली रूप से काटा था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

22 वर्षीय बृजेश राज्य चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता थे और प्रो कबड्डी लीग में भाग लेने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने एंटी-रेबीज वैक्सीन नहीं लगवाई थी। उनकी मौत के कुछ दिन पहले ही लक्षण दिखाई दिए थे। उनकी हालत बिगड़ने का एक वीडियो उनकी मौत के एक दिन बाद रविवार को ऑनलाइन सामने आया।बृजेश के कोच प्रवीण कुमार ने बताया कि बृजेश ने अपने हाथ के दर्द को कबड्डी की सामान्य चोट समझ लिया था। उन्हें लगा कि काटना मामूली है और उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया, इसलिए उन्होंने टीका नहीं लगवाया। प्रवीण कुमार के अनुसार, 'बृजेश ने अपने हाथ के दर्द को एक सामान्य कबड्डी की चोट समझ लिया था। उन्हें लगा कि काटना मामूली है और उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया, इसलिए उन्होंने टीका नहीं लगवाया।'26 जून को बृजेश ने अभ्यास के दौरान सुन्नता की शिकायत की। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया और बाद में उनकी हालत बिगड़ने पर नोएडा के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उनके भाई संदीप कुमार ने बताया कि अचानक उन्हें पानी से डर लगने लगा और रेबीज के लक्षण दिखने लगे। संदीप कुमार ने कहा, 'अचानक, वह पानी से डरने लगा और रेबीज के लक्षण दिखा रहा था, लेकिन हमें खुर्जा, अलीगढ़ और यहां तक कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में इलाज से मना कर दिया गया। नोएडा में ही डॉक्टरों ने पुष्टि की कि वह रेबीज से संक्रमित है। शनिवार को मथुरा में एक धार्मिक हीलर के पास ले जाते समय बृजेश की मौत हो गई।'बृजेश तीन भाइयों में सबसे छोटे थे और फराना गांव में रहते थे। उनकी मौत के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को गांव का दौरा किया। स्वास्थ्य विभाग ने 29 निवासियों को टीका लगाया और जागरूकता अभियान शुरू किया।

दैनिक अदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, सोमवार, 07 जुलाई, 2025
www.adityabharat.com

क्रेते, ग्रीस। दक्षिणी ग्रीक द्वीप क्रेते के इरापेट्रा में लगी जंगल की आग से जूझते अग्निशमन कर्मी। स्थानीय लोगों और पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, क्योंकि तूफानी हवाओं के कारण आग फैल गई थी। द्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट पर 24 घंटे पहले लगी आग को बुझाने के लिए गुरुवार को करीब 230 अग्निशमन कर्मी, 46 अग्निशमन वाहन और हेलीकॉप्टर जुटे थे।

शॉर्ट न्यूज

आतंकी संगठन ने अगवा हुए भारतीय परिवार से फिरौती की मांग

नई दिल्ली। अफ्रीका के माली में अगवा हुए भारतीय के परिवार से अल-कायदा से जुड़े संगठन ने फिरौती की मांग की है। अगवा किए तीन भारतीयों में से एक ओडिशा के रहने वाले पी. वेंकटरमण के बहनोई ने बताया उन्होंने कहा- हमें कंपनी से फोन आया कि वह पुलिस की हिरासत में हैं। इसके बाद समाचार में दावा किया गया है कि अल-कायदा ने कुछ लोगों का अपहरण कर लिया है। हमने कंपनी को फोन किया, और पुष्टि की। उन्होंने हमें यह बात सरकार को बताने से मना कर दिया और कहा कि आतंकवादी लोगों के बदले में फिरौती मांग रहे हैं। वेंकटरमन के बहनोई ने भारत सरकार से वेंकटरमण को सुरक्षित घर वापस लाने की अपील की है। इस बीच, विदेश मंत्रालय ने माली में भारतीय श्रमिकों के अपहरण पर गहरी चिंता जताई।

विश्व शांति के लिए भी खतरा है पाकिस्तान, सामने आई पड़ोसी देश की मंशा

राजा मुनीब। पहलगाम के आतंकी हमले ने द्विपक्षीय समीकरण ही नहीं, बल्कि समूचे दक्षिण एशिया में संबंधों के तानेबाने को प्रभावित किया है। इस हमले ने आतंक की नीति को जारी रखने वाली पाकिस्तानी मंशा को प्रकट किया था। पर्यटकों से उनकी मजहबी पहचान पूछकर की गई हत्याओं को लश्कर के पिट्ठू संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने अंजाम दिया। इसे केवल एक नरसंहार के रूप में न देखा जाए। यह भू-राजनीतिक उकसावे की एक सुनियोजित कार्रवाई थी। इसने जहां आतंक को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान के कलंकित इतिहास को दोहराया, वहीं इसके पीछे की एक मंशा जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा ढांचे को अस्थिर करने की भी थी। वैश्विक निगरानी और अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद पाकिस्तान ने अपनी जमीन पर संचालित आतंकी ढांचे को समाप्त नहीं किया है। पहलगाम हमला भी उसी पुराने ढर्रे पर किया गया, जहां सेना-आइएसआइ की आतंकी करतूत से इस्लामाबाद ने आदतन किनारा कर लिया।

27 लड़कियां लापता, अभी भी बाढ़ का खतरा बरकरार, हेलिकॉप्टर-ड्रोन्स से तलाश जारी

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ से अब तक 51 की मौत

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

अमेरिका के टेक्सास राज्य में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से अब तक 51 लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 27 लड़कियां लापता हैं। ग्वाडालूप नदी के पास लड़कियों का समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया। अधिकारियों ने बताया कि महज 45 मिनट में नदी का जलस्तर 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं।

खतरा

मौसम विभाग के मुताबिक अभी भी बाढ़ का खतरा बरकरार है। हेलिकॉप्टर, नाव और ड्रोन्स से लापता लड़कियों की तलाश की जा रही है। कई और लोगों के लापता होने की आशंका है। टेक्सास के गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया कि रेस्क्यू टीम काम कर रही है। जिसमें नौ बचाव दल, 14 हेलिकॉप्टर और 12 ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। अभी तक 850 से ज्यादा

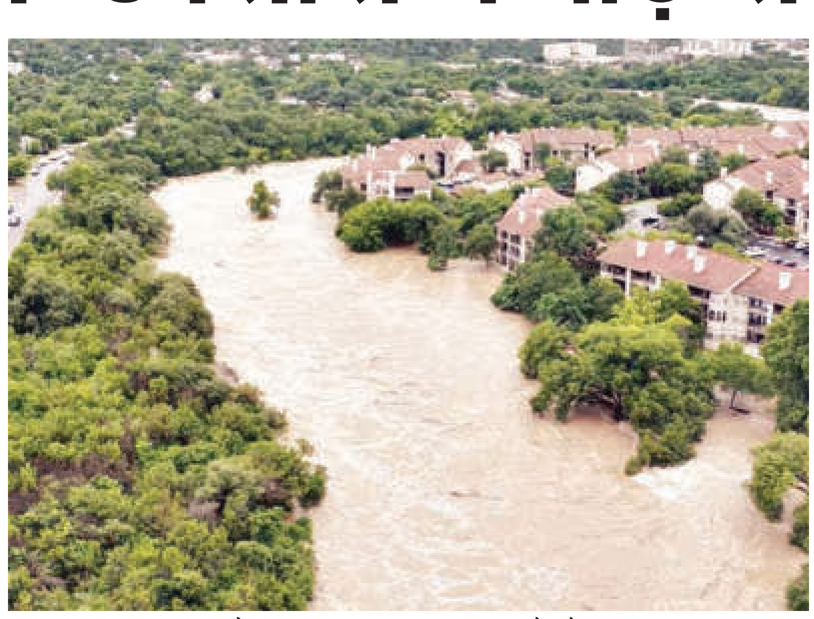

लोगों को बचाया भी गया है। कर्विल के पास कैंप मिस्टिक, जो एक लड़कियों का समर कैंप है, पूरी तरह बाढ़ में डूब गया। कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचाया गया है। कैंप में बिजली नहीं है और कई बच्चे अभी भी रेस्क्यू का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि कितने लोग लापता हैं, इसका सटीक आंकड़ा बताना मुश्किल है।

अभी भी अचानक बाढ़ का खतरा बरकरार

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने बाढ़ के हालात को देखते हुए इमरजेंसी हालात की चेतावनी बरकरार रखा है। ग्रेग एबॉट ने कहा- हम लापता लोगों की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह ऑपरेशन लगातार 24 घंटे तक चलता रहेगा। हम हर एक को ढूंढ निकालेंगे। वहीं दूसरी तरफ अधिकारियों के मुताबिक, टेक्सास के सैन एंटोनियो के आसपास भारी बारिश के बीच 1,000 से ज्यादा रेस्क्यू वर्कर्स लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। फ्लैश फ्लड (अचानक बाढ़) की चेतावनी अभी बनी हुई है।

बाढ़ से 2600 घरों की बिजली गुल - बारिश की वजह से नदी ने लोकल नाले और जलमार्गों को उफान पर ला दिया, जिससे सड़कें डूब गईं। ट्रेलर और वाहन बह गए। सैन एंटोनियो की इमरजेंसी टीमों ने हेलिकॉप्टर और ड्रोन के जरिए तलाश और बचाव कार्य शुरु किया है। इलाके में मौजूद लोगों ने लोकल मीडिया को बताया कि बाढ़ का पानी अचानक आया और उन्हें पेड़ों पर चढ़कर जान बचानी पड़ी। बाढ़ की वजह से बिजली लाइनें गिर गईं और कर्विल के आसपास के इलाकों में लगभग 2,600 घरों की बिजली गुल हो गई।

मस्क ने राजनीतिक दल बनाया, नाम रखा- अमेरिका पार्टी

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

अरबपति बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने शनिवार को अमेरिका में एक नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का ऐलान किया। उन्होंने इसका नाम 'अमेरिका पार्टी' रखा है। मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा- आज अमेरिका पार्टी का गठन किया जा रहा है, ताकि आपको आपकी आजादी वापस मिल सके।' इसे लेकर उन्होंने X पर पब्लिक पोल भी किया था।

मस्क ने अपने पोस्ट में कहा कि आप में 66% लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट) एक ही जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी। मस्क ने 4 जुलाई को अमेरिका

के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर X पर एक पोल पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पूछा था कि क्या आप दो पार्टी वाले सिस्टम से आजादी चाहते हैं? क्या हमें अमेरिका पार्टी बनानी चाहिए? पोल के नतीजों में 65.4% लोगों ने 'हां' और 34.6% ने 'नहीं' में वोट दिया। अमेरिका की राजनीति में बीते डेढ़ सौ साल से डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दो ही पार्टियों का दबदबा रहा है। देश में राष्ट्रपति चुनाव से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक इन दोनों दलों का वर्चस्व हैं। इस टू-पार्टी सिस्टम को अमेरिकी लोकतंत्र की स्थिरता की वजह भी माना जाता है।

अपना प्रतिनिधिमंडल भेजेगा इजराइल; हमास भी चर्चा के लिए राजी, कल ट्रम्प से मिलेंगे नेतन्याहू

इजराइल-हमास सीजफायर पर आज कतर में वार्ता होगी

तेल अवीव ● एजेंसी

इजराइल गाजा में सीजफायर पर कतर में बातचीत के लिए आज प्रतिनिधि भेजेगा। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने शनिवार रात इसकी घोषणा की। इजराइल ने बुधवार, 2 जून को गाजा में सीजफायर प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हमास ने भी शनिवार को

चर्चा

कहा कि वो इजराइल के साथ 60 दिन के युद्धविराम प्रस्ताव पर तुरंत बातचीत के लिए तैयार है। यह प्रस्ताव कतर की तरफ से दिया गया था। इजराइल और हमास पहले भी कई बार समझौते के करीब पहुंचे थे, लेकिन आखिरी समय में छोटी-छोटी बातों पर सहमति टूट गई थी।

यह बातचीत कल वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मुलाकात से पहले हो रही है।

इससे पहले ट्रम्प ने मंगलवार को अपने ट्रुथ सोशल पोस्ट में हमास को चेतावनी देते हुए कहा था- मुझे उम्मीद है कि हमास इस सौदे को स्वीकार कर लेगा, वरना उनके लिए हालात और खराब हो जाएंगे।

सीजफायर प्रस्ताव के मुख्य पॉइंट

- 10 जीवित इजराइली बंधकों की रिहाई होगी।
- 18 मृत इजराइली बंधकों के शव भी लौटाए जाएंगे।
- 60 दिनों का युद्ध विराम होगा, जिसमें जंग को स्थायी तौर पर खत्म करने पर बातचीत होगी।

नेतन्याहू जंग खत्म करने को लेकर असमंजस में

ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ इस युद्धविराम की मध्यस्थता कर रहे हैं। हालांकि, इजराइली PM नेतन्याहू जंग खत्म करने को लेकर असमंजस में हैं, क्योंकि उनकी गठबंधन सरकार के दक्षिणपंथी सदस्य इसे स्वीकार करने पर सरकार गिराने की धमकी दे रहे हैं। वहीं, हमास के नए नेता इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद ने जंग खत्म करने, गाजा से इजराइली सेना की वापसी, कैदियों की रिहाई और गाजा रि-डेवलप करने की मांग कर रहे हैं।

21 महीने की जंग में 56 हजार फिलिस्तीनियों की मौत

हमास-इजराइल के बीच 21 महीने से संघर्ष जारी है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला कर दिया था। इजराइली आंकड़ों के अनुसार, इस हमले में 1,200 लोग मारे गए और 251 बंधक बनाए गए थे। हमास ने यह हमला इजराइल के कब्जे, गाजा की नाकेबंदी और हजारों फिलिस्तीनी की रिहाई की मांग के लिए किया था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि 7 अक्टूबर के बाद इजराइल के सैन्य हमले में 56 हजार से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। गाजा में जंग के बीच 5 लाख लोगों पर भुखमरी का संकट पैदा हो गया है। इसके मुताबिक अगर इजराइल पाबंदियां नहीं हटाता है तो गाजा में हर 5 में से 1 व्यक्ति भुखमरी की चपेट में आ सकता था।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)